RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:180 ता. 05 जनवरी 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

धनखड़ छह जनवरी को हिमाचल प्रदेश की यात्रा पर

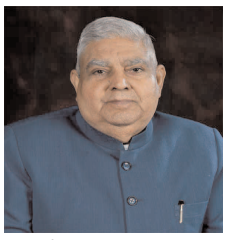

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ छह जनवरी को हिमाचल प्रदेश के दौरे पर रहेंगे और कई समारोह में शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने बृहस्पतिवार को यहां बताया कि श्री धनखड़ एक दिवसीय यात्रा के दौरान हमीरपुर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान -एनआईटी, जाएंगे। वह विकसित भारत -2047 में युवाओं की भूमिका विषय पर छात्रों को संबोधित करेंगे। वह छात्रों के साथ बातचीत भी करेंगे। उपराष्ट्रपति हिमाचल प्रदेश में शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के प्रयास की पहल एक से श्रेष्ठ के 500वें केंद्र के उद्घाटन समारोह में भी मुख्य अतिथि होंगे। इस अवसर पर श्री धनखड़ बच्?चों के साथ एक संवाद सत्र में भी भाग लेंगे।

महाअघाड़ी में टकराव के बीच भाजपा, शिंदे और पवार की भी अटकी गाड़ी, लोकसभा सीटों पर उलझे

महाराष्ट्र में ऐसी कई सीटें हैं, जिस पर बीजेपी-शिवसेना और एनसीपी गठबंधन में तीनों दलों की नजरें टिकी हुई हैं। ऐसे में गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर भारी तकरार मची हुई है।

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में दो सियासी गठबंधन है। एक सत्ताधारी बीजेपी-शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजीत गुट) का अलायंस है तो दूसरी तरफ विपक्षी कांग्रेस- शिवसेना (उद्धव) और एनसीपी (शरद गुट) का गठबंधन है लेकिन दोनों ही धड़ों के बीच एक समानता है। वह यह है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दोनों गठबंधनों के घटक दल सीटों पर खींचतान कर रहे हैं। अंतर सिर्फ इतना है कि सत्ताधारी गठबंधन बंद दरवाजे के भीतर ये नूराकुश्ती कर रहे हैं, जबकि महाविकास अघाड़ी की खींचतान सार्वजनिक हो रही है। सत्ताधारी गठबंधन में बीजेपी 2019 में जितनी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ी थी, उससे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। यानी 25 से ज्यादा सीटों पर बीजपी उम्मीदवार उतारना चाहती है और इसके लिए उसकी नजर शिव सेना (शिंदे) की कुछ सीटों पर है। उधर, शिवसेना (शिंदे) ने दावा किया है कि तीनों दल उन सीटों पर चुनाव लड़ेंगे जिन पर उन्होंने 2019 में चुनाव लड़ा था, वहीं भाजपा और एनसीपी नेताओं का दावा है कि सीट-बंटवारे का फॉर्मूला तय नहीं हुआ है। भाजपा कम से कम उन छह सीटों पर चुनाव लड़ना चाह रही है जो 2019 में शिवसेना के पास थीं, उनमें से एक मुंबई दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र भी है।

बता दें कि महाराष्ट्र में ऐसी कई सीटें हैं, जिस पर बीजेपी-शिवसेना और एनसीपी गठबंधन में तीनों दलों की नजरें टिकी हुई हैं। ऐसे में गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर भारी तकरार मची हुई है। उदाहरण के लिए, मावल लोकसभा क्षेत्र को लें। 2019 में शिवसेना के श्रीरंग बार्ने ने एनसीपी नेता अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार को हराकर यह सीट जीती थी। एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हुए बार्ने को इस निर्वाचन क्षेत्र से टिकट मिलने की उम्मीद है। हालाँकि, एनसीपी और बीजेपी का स्थानीय नेतृत्व सार्वजनिक रूप से इस सीट पर दावा कर अपनी-अपनी पार्टियों पर दबाव बना रहा है।

एनसीपी (शरद पवार गुट) के अमोल कोल्हे फिर से शिरूर सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर एनसीपी (अजीत) के साथ-साथ सेना (शिंदे) समूह भी चुनाव लड़ने को बेकरार है। शिवसेना (शिंदे) के पूर्व शिरूर सांसद शिवाजीराव अधलराव पाटिल, जिन्हें कोल्हे ने 2019 में हराया था, चुनाव लड़ना चाह रहे हैं।

सेना नेताओं के अनुसार, पाटिल ने एनसीपी (अजित गुट) से कहा है कि अगर उन्हें ये सीट मिलती है तो वे उनके उम्मीदवार बनने को तैयार हैं।

इसी तरह, अजित पवार पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि उनकी पार्टी सतारा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेगी, जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में एनसीपी (शरद पवार गुट) श्रीनिवास पाटिल कर रहे हैं। पिछली बार पाटिल ने बीजेपी के उदयनराजे भोसले को हराया था। इस सीट पर बीजेपी की भी नजर है।

दिया ने तन सिंह जन्म शताब्दी संदेश यात्रा को किया रवाना

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने समाज सेवा में आजीवन समर्पित रहने वाले श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक तन सिंह के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित जन्म शताब्दी संदेश यात्रा को गुरुवार को यहां रवाना किया।

श्रीमती दिया कुमारी ने यहां झोटवाड़ा में क्षत्रिय युवक संघ कार्यालय से यात्रा को तिलक लगाकर रवाना किया।

इस दौरान क्षत्रिय युवक संघ प्रमुख लक्ष्मण सिंह बेन्याकाबास, प्रताप फाउंडेशन संयोजक महावीर सिंह सरवड़ी सहित क्षत्रिय युवक संघ के कई स्वयं सेवक मौजूद थे।

जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर यह यात्रा 28 जनवरी को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में पहुंचेगी।

मोहल्ला क्लीनिक में बिना मरीज ही टेस्ट!

केजरीवाल सरकार के खिलाफ एक और सीबीई जांच; एलजी का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने एक और मामले में सीबीआई जांच का आदेश दे दिया है। दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक में फर्जी टेस्ट के आरोपों की सीबीआई जांच की सिफारिश की गई है। आरोप है कि लैब के फायदे के लिए फर्जी टेस्ट कराए जा रहे थे। इससे पहले मोहल्ला क्लीनिक और दिल्ली सरकार के अस्पतालों में दावा घोटाले का भी आरोप लगा और एलजी पहले ही सीबीआई जांच की सिफारिश कर चुके हैं। एलजी ऑफिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक फेक लैब टेस्ट के मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की गई है। आरोप है कि मोहल्ला क्लीनिक में बिना मरीज के ही टेस्ट कराए जा रहे थे। मरीजों की एंट्री में फर्जी मोबाइल नंबर दर्ज किए गए। एलजी दफ्तर से दी गई जानकारी के मुताबिक प्रथम दृष्टया यह सामने आया है कि हजारों ऐसे मरीजों की जांच कराई गई, जो वास्तव में मौजूद ही नहीं हैं। आरोप है कि निजी लैब से फर्जी टेस्ट कराकर सरकारी खजाने को चूना लगाया गया। इसके अलावा डॉक्टरों के फर्जी अनुपस्थिति का भी आरोप है। एलजी की ओर से की गई नई सिफारिश के बाद एक बार फिर अरविंद केजरीवाल सरकार और राजभवन के बीच तनातनी बढ़ सकती है। एलजी ने मोहल्ला क्लीनिक में फर्जी टेस्ट की जांच की

सिफारिश ऐसे समय पर की है जब केंद्रीय जांच एजेंसी पहले से ही अरविंद केजरीवाल सरकार के खिलाफ कई जांच में जुटी है, जिनमें कथित शराब घोटाला सबसे प्रमुख है। खुद अरविंद केजरीवाल को ईडी तीन बार तलब कर चुकी है। आम आदमी पार्टी को आशंका है कि केजरीवाल को जल्द ही गिरफ्तार किया जा सकता है।

पीएम मोदी ने खुद संभाली राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की कमान, 25 जनवरी से देशव्यापी अभियान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद आगे आकर इसका नेतृत्व कर रहे हैं। अन्य भगवा संगठन उनके प्रयासों का समर्थन कर रहे हैं। मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जिक्र प्रधानमंत्री के हाल के लगभग हर भाषणों में होता है। वह लगातार लोगों को यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर कितने उत्साहित हैं। पीएम मोदी ने अयोध्या में विभिन्न परियोजनाओं का अनावरण करते हुए राम भक्तों से 22 जनवरी को दिवाली मनाने और अपने घरों में दीपक जलाने का आह्वान किया था। बुधवार को उन्होंने बॉलीवुड गायिका स्वाति मिश्रा द्वारा गाया गया भगवान राम को समर्पित एक गीत शेयर किया। इसके बाद

स्वाति मिश्रा का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया। गायक ने इसके लिए पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया। आपको बता दें कि पिछले कुछ हफ्तों में कई गायकों और संगीतकारों ने भगवान राम को गीत समर्पित किए हैं। भाजपा के रणनीतिकार भी लोगों को यह बताने पर काम कर रहे हैं कि दशकों की कठोर लड़ाई कैसे सफल हुई और राम लला की मूर्ति की स्थापना बस कुछ ही दिन दूर है। भाजपा सूत्रों ने कहा कि लोगों की अयोध्या यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए 25 जनवरी से देशव्यापी अभियान चलाया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि 60 दिनों की ड्राइव होगी, जिसके लिए अयोध्या के लिए 35 ट्रेनें संचालित होंगी। भाजपा कार्यकर्ता उन्हें साजो-सामान सहायता प्रदान करेंगे। सूत्रों ने कहा कि यात्रा का खर्च व्यक्तियों द्वारा वहन किया जाएगा। हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में रैलियों के दौरान गृह मंत्री अमित शाह और अन्य नेताओं ने लोगों को राम लला के दर्शन सुनिश्चित कराने का वादा किया था। विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कि भाजपा धार्मिक समारोह का राजनीतिकरण कर रही है, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, ÷राजनीति कहां है? ट्रस्ट (अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट) ने सभी राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं को निमंत्रण भेजा है। यह हमारी गलती नहीं है। राम मंदिर भाजपा के कार्यकाल में बन रहा है, यह हमारी गलती नहीं है।÷

पीएम मोदी ने अयोध्या में विभिन्न परियोजनाओं का अनावरण करते हुए राम भक्तों से 22 जनवरी को दिवाली मनाने और अपने घरों में दीपक जलाने का आह्वान किया था।

कांग्रेस में शामिल हुई वाईएस शर्मिला, बोलीं- इसी पार्टी ने किया भारत की बुनियाद का निर्माण

नई दिल्ली। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला कांग्रेस में शामिल हो गई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की उपस्थिति में वाईएस शर्मिला गुरुवार को कांग्रेस के साथ जुड़ गई। कांग्रेस में शामिल होने के साथ ही वाईएस शर्मिला ने अपनी पार्टी वाईएस तेलंगाना पार्टी (वाईएसटीपी) को भी कांग्रेस में विलय कर दिया। वाईएसटीपी के कांग्रेस में विलय होने पर शर्मिला ने कहा, बहुत जल्द लोकसभा चुनाव के लिए ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा।

कांग्रेस में शामिल हुई वाईएस शर्मिला

बता दें कि कांग्रेस में शामिल होने के लिए शर्मिला बुधवार रात को ही दिल्ली पहुंच चुकी थी और गुरुवार की सुबह वह एआईसीसी

मुख्यालय पहुंची। कांग्रेस में शामिल होने के बाद अब उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी में एक नया पद दिया जाएगा। कांगेस में शामिल होने के बाद वाईएस शर्मिला ने कहा, हमारे देश में कांग्रेस अभी भी सबसे बड़ी पार्टी है। इसने हमेशा भारत की सच्ची संस्कृति को बरकरार रखा है और भारत की बुनियाद का निर्माण भी इसी पार्टी ने किया है।

बता दें कि शर्मिला अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वाईएस राजशेखर रेड्डी की बेटी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी की छोटी बहन हैं। उन्होंने हाल में संपन्न हुए तेलंगाना विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का समर्थन किया था।

एनसीपी नेता जितेन्द्र आव्हाड ने विवादास्पद बयान पर माफी मांगी, राम को बताया था मांसाहारी

नई दिल्ली। एनसीपी नेता जितेन्द्र आव्हाड ने अपने द्वारा दिए गए विवादास्पद बयान पर माफी मांगी है कहा- मेरे बयान से किसी को ठेस पहुंची हो तो माफी, किसी की भावनाएं आहत हुई हो तो माफी।अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर एक तरफ जहां देशभर में जोर-शोर से तैयारियां की जा रही है, तो वहीं दूसरी तरफ इसे लेकर नेताओं के विवादास्पद बयानों का भी सिलसिला लगातार जारी है। अब एनसीपी के नेता जितेंद्र आव्हाड ने भगवान राम पर विवादास्पद टिप्पणी कर देश की राजनीति को गरमा दिया है। दरअसल जितेंद्र आव्हाड ने शिर्डी में कहा , राम हमारे हैं, बहुजनों के हैं। भगवान राम शिकार करके खाते थे। हम भी श्री राम के आदर्शों पर चल रहे हैं। राम को आदर्श बताकर लोगों पर शाकाहारी खाना थोपा जा रहा है। वे शिर्डी में

पार्टी के दो दिन के कार्यकर्ता शिविर में शामिल होने गए थे।

भगवान राम को लेकर एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड के विवादास्पद बयान से भड़के विश्व हिंदू परिषद ने सरकार से उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

विहिप ने शरद पवार से भी अपने नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने एनसीपी नेता के बयान पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि, कभी समाज कंटक व नमाजवादी सपा तो कभी आरजेडी, कभी डीएमके तो कभी कांग्रेस हिंदू धर्म ग्रंथों, मानबिंदुओं व आस्था के केंद्रों पर हमलों से बाज नहीं आ रहे। अब तो शिवाजी की पावन धरा पर अपने नेता शरद पवार के सामने ही एनसीपी विधायक ने भगवान श्रीराम पर जैसा कीचड़ उछाला है वह, बेहद शर्मनाक, निंदनीय तथा सम्पूर्ण विश्व के राम भक्तों की भावनाओं को कचोटने वाला है।

विहिप प्रवक्ता ने एनसीपी नेता के खिलाफ सरकार से कठोर कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि, ऐसे समय में, जब सम्पूर्ण विश्व रामोत्सव की तैयारियों में व्यस्त है, रंग में भंग डालने वाले ऐसे हिंदू द्रोही नेता के विरुद्ध ना सिर्फ शरद पवार अपितु सरकार भी कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करे।

पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार निखिल गुप्ता को झटका, एससी ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सिख चरमपंथी नेता और आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश के मामले में चेक गणराज्य में गिरफ्तार हुए भारतीय व्यवसायी निखिल गुप्ता की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यह मामला संवेदनशील है और इस पर निर्भर है कि भारत सरकार इस मामले से निपटना चाहती है या नहीं। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि निखिल गुप्ता को अमेरिकी एजेंसियों द्वारा जांच किए जा रहे मामले के सिलसिले में पिछले साल जून में गिरफ्तार किए जाने के बाद सितंबर में भारत सरकार द्वारा एक बार राजनयिक पहुंच प्रदान की गई थी। पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा, ÷सार्वजनिक अंतरराष्ट्रीय कानून और अदालतों की संप्रभुता और सहयोग के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए हमें नहीं लगता कि याचिका में शामिल किसी भी प्रार्थना को स्वीकार किया जा सकता है। याचिका निखिल गुप्ता के एक करीबी दोस्त द्वारा दायर की गई थी जिसका प्रतिनिधित्व वरिष्ठ वकील सीए सुंदरम ने अदालत में किया था। उन्होंने अदालत को कहा कि निखिल गुप्ता को एक दिन पहले अपना प्रत्यर्पण आदेश प्राप्त हुआ था और इसके खिलाफ अपील करने के लिए उसे राजनयिक पहुंच की आवश्यकता थी। सुंदरम ने कहा कि यह मामला विदेशी जेल में बंद एक भारतीय नागरिक के मानवाधिकारों से संबंधित है। उन्होंने कहा कि उन्हें एक बार की कॉन्सुलर एक्सेस

ऐसे समय में दी गई थी जब उन्हें कोई प्रत्यर्पण आदेश नहीं मिला गया था। उन्होंने कहा कि निखिल गुप्ता को फिलहाल अपील दायर करने के लिए एक अनुवादक की सहायता और कानूनी सहायता की आवश्यकता है।

याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा, ''यह एक संवेदनशील मामला है। भारत सरकार इस मामले से निपटना चाहती है या नहीं, यह उस पर निर्भर है। वियना कन्वेंशन के तहत कॉन्सुलर एक्सेस ही एकमात्र ऐसी चीज है जिसके आप हकदार हैं और आपको यह मिल गया है। हम इन सब बातों में नहीं पड़ना चाहते हैं। हमें अंतरराष्ट्रीय अदालतों की संप्रभुता और सौहार्द का सम्मान करना होगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता केंद्र की ओर से पेश हुए और अदालत से कहा कि उन्हें याचिका की एक प्रति दे दी गई है। लेकिन इस मामले में केंद्र के पास करने के लिए शायद ही कुछ है। सुंदरम ने न्यायालय से अनुरोध किया कि उन्हें इस याचिका को भारत सरकार के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए एक प्रतिनिधित्व में परिवर्तित करने की अनुमति दी जाए। न्यायालय ने इस बयान को दर्ज किया लेकिन सरकार को इस पर विचार करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया।

आपको बता दें कि निखिल गुप्ता को 30 जून को गिरफ्तार किया गया था। याचिका में कहा गया था कि उनकी गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय कानूनों का गंभीर उल्लंघन है क्योंकि कोई औपचारिक गिरफ्तारी वारंट प्रस्तुत नहीं किया गया था। हिरासत स्थानीय चेक अधिकारियों के बजाय अमेरिकी एजेंसियों की आशंका पर आधारित थी। सुंदरम ने अदालत को बताया कि 29 नवंबर को न्यूयॉर्क की एक अदालत के समक्ष मामले में एक दूसरा अभियोग दायर किया गया था जिसमें एक कथित भारतीय सरकारी कर्मचारी की भूमिका बताई गई थी।

भारत में पिछले 24 घंटे में आए 760 नए मामलों की वृद्धि

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारत में एक दिन में कोविड के 760 नए मामलों की वृद्धि देखी गई, जबकि दो और लोगों की वायरल बीमारी से मौत हो गई। इसमें कहा गया है कि संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या 4,423 दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार, 24 घंटे की अवधि में केरल और कर्नाटक से एक-एक मौत की नई घटनाएं सामने आईं। 5 दिसंबर तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दोहरे अंक में आ गई थी, लेकिन एक नए वेरिएंट के सामने आने और ठंड के मौसम की स्थिति के बाद मामले फिर से बढ़ गए हैं। महामारी के चरम पर दैनिक संख्या लाखों में थी, जो 2020 की शुरुआत में शुरू हुई और तब से पूरे देश में लगभग चार वर्षों में 4.5 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए और 5.3 लाख से अधिक मौतें हुईं। इस बीच, आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि देश में अब तक जेएन.1 संक्रमण के कुल 511 मामले सामने आए हैं, जिसमें सबसे अधिक मामले कर्नाटक में दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कर्नाटक से 199, केरल से 148, गोवा से 47, गुजरात से 36, महाराष्ट्र से 32, तमिलनाडु से 26, दिल्ली से 15, राजस्थान से चार, तेलंगाना से दो और ओडिशा तथा हरियाणा से एक-एक मामला सामने आया है। विश्व निकाय ने कहा कि जेएन.1 को पहले बीए.2.86 उप-वंश के हिस्से के रूप में रुचि के एक प्रकार के रूप में वर्गीकृत किया गया था, मूल वंश जिसे वीओआई के रूप में वर्गीकृत किया गया है। केंद्र ने देश में कोविड-19 मामलों की संख्या में वृद्धि और जेएन.1 उप-संस्करण का पता चलने के बीच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से निरंतर निगरानी बनाए रखने को कहा है।

नीट के भविष्य को लेकर सुप्रीम कोर्ट करेगा फैसला

नई दिल्ली। मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन नीट यानी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट के द्वारा होता है। अब नीट को खत्म करने की मांग हो रही थी। इस लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने देश भर के मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन के लिए नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) को खत्म करने की मांग को लेकर डीएमके के हस्ताक्षर अभियान के खिलाफ याचिका पर विचार करने से इंकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें राज्य को वहां के स्कूलों में ऐसी गतिविधि की अनुमति न देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। जस्टिस सूर्यकांत और केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि अखिल भारतीय आधार पर आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित की जानी चाहिए। जब याचिकाकर्ता ने पीठ से कहा कि बच्चे परेशान हैं, हालांकि उन्हें अंतत: परीक्षा का सामना करना पड़ता है, इस पर न्यायमूर्ति कांत ने कहा, सौभाग्य से, अब हमारे पास एक बहुत ही अच्छी पीढ़ी है। हमारे बच्चे इतने मासूम नहीं हैं और अब वे सब कुछ समझते हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, वे हमारी पीढ़ी से बहुत आगे हैंज वे सब कुछ समझते हैं, मकसद क्या है, एजेंडा क्या है, यह कैसे होता है। हालांकि, पीठ ने याचिका पर विचार करने से इंकार कर दिया। पिछले साल अक्टूबर में तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके ने नीट को खत्म करने की मांग करते हुए 50 दिनों में 50 लाख हस्ताक्षर प्राप्त करने के लिए एक अभियान शुरू किया था।

आचार्य ने एनसीपी नेता को दी जान से मारने की चेतावनी

अयोध्या। एनसीपी शरद पवार गुट के नेता जीतेंद्र आव्हाड के बयान पर अयोध्या के परमहंस आचार्य ने एक बड़ा बयान दिया। परमहंस आचार्य का कहना है, आव्हाड द्वारा दिया गया बयान अपमानजनक है, भगवान राम भक्तों की भावना को ठेस पहुंचाता है... मैं महाराष्ट्र और मोदी सरकार से आग्रह करूंगा कि वे इस पर कार्रवाई करें। भगवान राम के बारे में गलत बोलने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें...अगर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई तब मैं आव्हाड को मार डालूंगा। मैं चेतावनी दे रहा हूं। बता दें कि इसके पहले एनसीपी नेता आव्हाड ने भगवान राम को लेकर विवादित बयान दिया है। आव्हाड ने विवादित बयान देकर कहा कि राम हमारे हैं और वह बहुजन हैं। राम शाकाहारी नहीं, मांसाहारी थे। वे शिकार करके खाते थे। अब उनके बयान को लेकर बीजेपी और अजित गुट के नेताओं में नाराजगी है। अजित गुट की एनसीपी के कार्यकर्ताओं ने मुंबई में आव्हाड के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस पर पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

176 बलात्कार के मामलों में 115 प्यार और शादी का वादा करके किए गए

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में 2023 में 176 बलात्कार के मामले सामने आए। पुलिस के अनुसार, हैरानी की बात यह है कि केवल तीन मामलों में अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं। पुलिस आंकड़ों के अनुसार, 176 बलात्कार के मामलों में से 115 मामले प्यार और शादी का वादा करके किए गए थे। 14 बलात्कार रिश्तेदारों द्वारा और 44 पड़ोसी और अन्य परिचित व्यक्तियों द्वारा किए गए। पुलिस ने बलात्कार के सभी 176 मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बेंगलुरु में भी 2023 में 1,135 छेड़छाड़ के मामले दर्ज हुए, जबकि 2022 में 731 और 2021 में 573 मामले दर्ज किए गए। पुलिस ने पिछले साल 1,004 छेड़छाड़ के मामलों का पता लगाया। बेंगलुरु पुलिस ने महिलाओं की गरिमा का अपमान करने के 60 मामले दर्ज किए, 52 का पता चला, अनैतिक तस्करी अधिनियम के तहत 161 मामले दर्ज किए गए और सभी का निपटारा कर दिया गया। शहर में 25 दहेज हत्याएं दर्ज की गईं, बेंगलुरु में पति या पति के रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के 696 मामले और दहेज निषेध अधिनियम के तहत 1,007 मामले दर्ज किए गए। 2023 में बेंगलुरु में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 3,260 मामले दर्ज किए गए। 2022 में यह संख्या 2,630, 2021 में 2,020 थी। 2023 में बेंगलुरु से 3,323 महिलाएं और 203 लड़कियां लापता हो गईं। 441 महिलाएं और 22 लड़कियां लापता हैं और पुलिस ने बाकी को ढूंढ लिया है।

कश्मीर बॉर्डर के गांवों में आजादी के बाद पहली बार पहुँची बिजली

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर बॉर्डर के गांवों में आजादी के बाद पहली बार बिजली पहुंची है। अंधेरा दूर होने से यहां के लोग बेहद खुश हैं और मोदी सरकार का गुणगान कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार कश्मीर में केरन सेक्टर पर नियंत्रण रेखा के पास स्थित दो गांवों में आजादी के 75 साल बाद पहली बार बिजली पहुंची है। कुपवाड़ा जिले के केरन इलाके में कुंडियां और पतरू गांवों के निवासियों ने 75 वर्षों में पहली बार बिजली आपनी आंखों से देखी तो उनकी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। जैसे ही लोगों के घर बिजली पहुंची, माहौल खुशी और उल्लास से भर गया, जो दशकों के लंबे इंतजार के अंत का प्रतीक था। बता दें कि पहले इन गांवों को डीजी सेट से बिजली मिलती थी जो सिर्फ तीन घंटे के लिए होती थी। अब इस क्षेत्र को बिजली ग्रिड से जोड़ने के बाद उन्हें पूरे समय बिजली मिलेगी। बिजली मिलने पर यहां के लोगों ने मोदी सरकार को इसका श्रेय दिया है। कश्मीर के मंडलायुक्त वी.के. भिदुरी ने समृद्ध सीमा योजना के तहत स्थापित 250 केवी के दो उप बिजली घरों का उद्घाटन किया। इस दौरान स्थानीय निवासियों ने मोदी सरकार और उपराज्यपाल प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि कश्मीर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (केपीडीसीएल) इलेक्ट्रिक डिवीजन, कुपवाड़ा द्वारा विद्युतीकरण परियोजना को रिकॉर्ड दो महीने में पूरा किया गया है। अब यहां सुचारू रूप से बिजली मिलेगी।

दुनिया की सबसे खराब डिश में शामिल एक भारतीय सब्जी भी

नई दिल्ली । अपने देश में फल-सब्जियों की कोई कमी नहीं है। हमारे घरों में रोजाना अलग-अलग सब्जियां बनती ही हैं। इसमें कुछ ऐसी होती हैं, जो हर किसी को पसंद होती हैं, तब कुछ ऐसी होती हैं, जिन्हें देखकर कोई भी नाक-सिकोड़ लेता है। ऐसी ही सब्जियों में एक है बैंगन, जिसके कितने भी गुण समझा दो, कोई जल्दी खाना नहीं चाहता है। हमारे देश में ये सब्जी घर-घर में कभी न कभी जरूर बनती है। कुछ लोगों को ये बिल्कुल पसंद नहीं होती है, तब कुछ चटखारे लेकर खाते हैं। इस दुनिया की कुछ सबसे खराब डिशेज में शुमार किया गया है। ये खबर जानकर उन लोगों को जरुर बुरा लगेगा, जो बैंगन के भर्ते और आलू-बैंगन की सब्जी पर जान छिड़कते हैं। एटलस ने दुनिया के कुछ सबसे खराब पकवानों की लिस्ट तैयार की है। लिस्ट में सिर्फ एक ही भारतीय डिश शामिल है, वहां आलू-बैंगन की सब्जी है। इस सब्जी को 2.7 स्टार मिले हैं और इस खराब पकवानों की लिस्ट में 60वें नंबर पर रखा गया है। वैसे अपने देश में लोग आलू, बैंगन, प्याज, टमाटर और कुछ मसालों के साथ सूखी और ग्रेवी वाली सब्जी बनाई जाती है। बहुत से लोग पसंद भी करती हैं लेकिन ग्लोबली इसे पसंद नहीं किया जाता है। हालांकि बहुत सी इंडियन डिशेज दुनिया भर में खूब पसंद की जाती है, लेकिन आलू-बैंगन किसी को नहीं भाता।

बर्फीली हवाओं ने उत्तर भारत में बढ़ाई ठंड, तीन दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में भीषण शीतलहर का दौर चल रहा है। यहां बर्फीली हवाओं ने ठंड बढ़ा दी है। इस बीच घने कोहरे ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। कई जगह हल्की बूंदा-बांदी भी हो रही है। मौसम विभाग ने अभी दो से तीन दिन तक ऐसी ही स्थिति रहने की संभावना जताई है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश की चोटियों पर भारी बर्फबारी और उससे छनकर आ रहीं ठंडी हवाओं से पूरे उत्तर भारत में गलन बढ़ गई है। भीषण शीतलहर के बीच घने कोहरे की चादर ने मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। मौसम विभाग ने अभी दो से तीन दिन तक ऐसी ही स्थिति रहने की संभावना जताई है। प्रयागराज व वाराणसी समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में बुधवार सुबह से बारिश हो रही है और अगर उत्तर पश्चिम भारत इसकी चपेट में आया तो ठंड ज्यादा बढ़ेगी। जानकारी के अनुसार मौसम विभाग ने उत्तर भारत में मंगलवार को इस मौसम का सबसे ठंडा दिन घोषित किया है। लेकिन बुधवार को लोगों ने और ज्यादा सर्दी महसूस की। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली-एनसीआर में भी तापमान शून्य तक जाने की कोशिश में है।

यूपी में अलीगढ़ सबसे सर्द रहा। यहां न्यूनतम 5.4 डिग्री व अ?धिकतम 10.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। इसके बाद बुलंदशहर आता है, जहां अधिकतम 11.5 और न्यूनतम 6.2, गौतमबुद्ध नगर में अधिकतम 12.5 व न्यूनतम 6.2 व आगरा में अ?धि कतम 12.9 व न्यूनतम 6.2 डिग्री तापमान रहा। उधर पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में ठिठुरन बढ़ा दी है। वहां से आने वाली सर्द हवाओं के कारण दिन का तापमान भी ठंडा रहा है। बुधवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान 6.2 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम तापमान 15.6 डिग्री दर्ज किया गया, यह सामान्य से चार डिग्री कम रहा। सुबह से ही यहां पर घना कोहरा छाया रहा। आसमान में बादल छाए रहे, इससे धूप भी अच्छे से नहीं खिली। जबकि रात को यह स्थिति और बिगड़ गई। दृश्यता घटने से लोगों को वाहन चलाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

रेलवे ने कुछ रेलों का समय भी बदलने का निर्णय लिया है। रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 15656 माता वैष्णो देवी-कामाख्या एक्सप्रेस 10 जनवरी से परिवर्तित समय से चलेगी। सात जनवरी से ट्रेन संख्या 12752 जम्मूतवी नांदेड एक्सप्रेस तो आठ जनवरी से ट्रेन संख्या 19028 जम्मूतवी-बांद्रा एक्सप्रेस भी परिवर्तित समय से चलेगी। सात जनवरी से ट्रेन संख्या 22552 जालंधर सिटी-दरभंगा अंत्योदय एक्सप्रेस, पश्चिम एक्सप्रेस, पांच जनवरी से अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस के समय में भी परिवर्तन किया गया है।

पन्नू मामले में गिरफ्तार भारतीय नागरिक निखिल को सुप्रीम कोर्ट से झटका

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के परिवार द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून को मारने की कथित साजिश के लिए अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगाए गए मामले में उनके अभियोग और प्रत्यर्पण को चुनौती देने के लिए कांसुलर पहुंच और कानूनी सहायता की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामला संवेदनशील है, उस विदेशी अदालत के अधिकार क्षेत्र का सम्मान करना चाहिए। 52 वर्षीय भारतीय नागरिक गुप्ता को अमेरिकी अधिकारियों के अनुरोध पर जून 2023 में चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें चेक गणराज्य में एकांत कारावास सुविधा में रखा गया है। शिकायत में गुप्ता के परिवार ने आरोप लगाया कि उन्हें राजनयिक पहुंच, भारत में अपने परिवार से संपर्क करने का अधिकार और कानूनी प्रतिनिधित्व लेने की स्वतंत्रता से वंचित कर दिया गया और मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप की मांग की गई। सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नून की हत्या की साजिश रचने के आरोप में अमेरिका के आदेश पर चेक अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किए गए भारतीय निखिल गुप्ता ने अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ परिवार के सदस्य के माध्यम से भारत के सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। याचिका में दावा किया गया है कि निखिल गुप्ता दिल्ली के कारोबारी हैं, उन्हें दिल्ली में अपने परिवार वालों से संपर्क नहीं करने दिया जा रहा है। शीर्ष अदालत में दायर याचिका में कहा गया है कि गिरफ्तारी से उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हुआ है।

सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी की आशंका, घर के बाहर सख्त पहरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल आज कभी भी गिरफ्तार हो सकते हैं। इस तरह की आशंका दिल्ली सरकार के मंत्री और आप नेताओं ने व्यक्त की है। इनका दावा है कि सीएम केजरीवाल के घर ईडी छापा मारेगी और उन्हे गिरफ्तार कर जेल भिजवा देगी। इस तरह के दावे और शंकाओं के बीच दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई और हर एक आने जाने वालों को नजर रखी जा रही है।

आम आदमी पार्टी नेता और दिल्ली की कानून एवं पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, खबर आ रही है कि ईडी कल सुबह अरविंद केजरीवाल के आवास पर छापा मारने जा रही है। गिरफ्तारी की संभावना है। आतिशी की पोस्ट के कुछ मिनट बाद, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी एक्स पर पोस्ट किया और ईडी द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी की अटकलों का दावा किया। भारद्वाज ने अपने पोस्ट में कहा, सुना है कि कल सुबह ईडी मुख्यमंत्री केजरीवाल के घर पहुंचकर उन्हें गिरफ्तार करने वाली है। बता दें कि ईडी ने कथित दिल्ली शराब घोटाला मामले में पिछले साल 22 दिसंबर को सीएम केजरीवाल को तीसरा समन जारी किया था, जिसमें उन्हें 3 जनवरी को एजेंसी के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। लेकिन उन्होंने नोटिस को अवैधानिक बताते हुए ईडी के सामने पेश नहीं हुए। इससे पहले केंद्रीय एजेंसी ने 2 नवंबर को पेश होने के लिए बुलाया था, लेकिन उन्होंने यह आरोप लगाते हुए गवाही नहीं दी कि नोटिस अस्पष्ट, प्रेरित और कानून की दृष्टि से अस्थिर है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि उक्त समन राजनीति से प्रेरित प्रतीत होता है और अनावश्यक विचारों के लिए जारी किया गया है। इस बीच, आम आदमी पार्टी ने 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले नोटिस की टाइमिंग पर भी सवाल उठाया।

सीएम केजरीवाल ने ईडी को दिए अपने जवाब में जांच में सहयोग करने की इच्छा जताई लेकिन नोटिस को अवैध बताते हुए तलब की गई तारीख पर उपस्थित होने से इनकार कर दिया। केजरीवाल ने एजेंसी पर यह भी सवाल उठाया कि जब उन्हें समन भेजा गया था तब उन्होंने उनके पहले के जवाबों का जवाब नहीं दिया था और उन्होंने एजेंसी की जांच की प्रकृति पर कुछ सवाल उठाए थे। ईडी को अपने लिखित जवाब में दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, एक प्रमुख जांच एजेंसी के रूप में आपके द्वारा अपनाया गया गैर-प्रकटीकरण और गैर-प्रतिक्रिया वाला दृष्टिकोण कानून, समानता या न्याय की कसौटी पर खरा नहीं उतर सकता।आपकी जिद एक ही समय में जज, ज्यूरी और जल्लाद की भूमिका निभाने के समान है जो कानून के शासन द्वारा शासित हमारे देश में स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने कहा, इन परिस्थितियों में मैं आपसे मेरी पिछली प्रतिक्रिया का जवाब देने और स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह करता हूं ताकि मुझे उस कथित पूछताछ/जांच के वास्तविक इरादे, दायरे, प्रकृति, व्यापकता और दायरे को समझने में मदद मिल सके जिसके लिए मुझे बुलाया जा रहा है।

एआई सिस्टम लागू करने वाला देश का पहला शहर बना अहमदाबाद

अहमदाबाद (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सिस्टम लागू करनेवाला अहमदाबाद देश का पहला शहर बन गया है। अब तक भारत में एक जगह से एआई के जरिए पूरे शहर की निगरानी की जाती थी। लेकिन अहमदाबाद ने एआई सिस्टम शुरू कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। एआई के जरिए पूरे शहर के ट्रैफिक पर नजर, आवारा पशुओं को पकड़ने में मदद, गैरकानूनी पार्किंग की पहचान, स्वच्छता पर निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ ही अपराधियों को पकड़ने में मदद मिलेगी। अहमदाबाद के पालडी में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का कमान्ड एन्ड कंट्रोल सेंटल बनाया गया है। जहां एक बड़ी स्क्रीन लगाई गई है, जिसके जरिए अहमदाबाद समेत उसके आसपास के 460 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर नजर रखी जा सकेगी। एआई सर्वेलन्स सिस्टम में लाइन ड्रोन फूटेज, ट्रैफिक सिग्नल और बसों में कैमरों के जरिए शहर की निगरानी की जाएगी। एआई सर्वेलन्स एक साथ कई काम करने में सक्षम है। जिसमें ट्रैफिक उल्लंघन पर नजर रखने, लापता लोगों की तलाश और संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करना शामिल है। एआई संचालित सिस्टम अहमदाबाद महानगर पालिका और पुलिस के लिए वरदान साबित होगा। एआई सिस्टम रियल टाइम मिलने वाले फूटेज का विश्लेषण करता है। लाइव फूटेज के विश्लेषण से लेकर संबंधित जानकारी जुटाने के लिए रिकार्ड किए गए फूटेज को घंटों तक एआई संभालता है। इसके अलावा गैरकानूनी पार्किंग, स्टोल और कचरा एकत्र करने समेत लोगों की अन्य समस्याओं की पहचान करने में भी मदद करता है। एआई कंट्रोल रूम ने आवारा पशुओं की समस्या का निपटारा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एआई ने आवारा पशुओं को पहचान कर उन्हें पकड़ने में मदद की थी। अहमदाबाद की इस नई पहल को आगामी दिनों में देश के अन्य शहर भी अपने यहां शुरू कर सकते हैं।

कश्मीर में जमी झील...

हिमाचल, उत्तराखंड में बर्फबारी

-मैदानी राज्यों में भीषण ठंड और कोहरे की मार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिसंबर के आखिरी सप्ताह में बढ़ी सर्दी ने नए साल में प्रचंड रूप धारण कर लिया है। कश्मीर में ज्यादातर जगहों पर तापमान माइनस 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने से झीलें जम गई हैं। सप्लाई वाले पाइपों में भी पानी जम गया है और लोग ठंड के साथ ही पानी की किल्लत का भी सामना कर रहे हैं। वहीं हिमाचल, उत्तराखंड के ज्यादातर इलाकों में बर्फबारी का दौर जारी है, जबकि दिल्ली-एनसीआर, यूपी, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे मैदानी राज्यों में भी भीषण ठंड हो रही है। कई दिनों से सुबह कोहरा और फिर दिन भर बदली छाई हुई है। मौसम विभाग के मानकों के मुताबिक यदि तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे जाता है, तभी उसे कोल्ड डे करार दिया जाता है।

अब अहम सवाल है कि क्या अगले कुछ दिनों में इस से राहत मिलेगी? इसका जवाब मौसम विभाग के मुताबिक यह है कि 10 जनवरी तक कुछ राहत हो सकती है। मौसम के पूर्व अनुमान के अनुसार शुक्रवार को हल्की धूप निकल सकती है और अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस होने से कुछ राहत होगी। वहीं शनिवार से लेकर सोमवार तक भी डेली थोड़ी बहुत धूप निकलेगी, लेकिन ज्यादातर समय बादल छाए रहने की वजह से ज्यादा ठंड महसूस होगी। अनुमान के मुताबिक मंगलवार 9 जनवरी को हल्की बारिश हो सकती है और इससे मौसम साफ होगा। वहीं 10 जनवरी को अच्छी धूप निकलने से तापमान 22 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। यही नहीं 11 जनवरी को तो यह 25 डिग्री तक जा सकता है। इस तरह अगले कुछ दिन भले ही भीषण ठंड के हैं, लेकिन मकर संक्रांति तक कुछ राहत का दौर आ जाएगा।

महाराष्ट्र में दो सियासी गठबंधन... दोनों के बीच सीटों को लेकर चल रही तकरार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में दो सियासी गठबंधन है। एक सत्ताधारी बीजेपी-शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजीत गुट) का गठबंधन है। तब दूसरी ओर विपक्षी कांग्रेस-शिवसेना (उद्धव) और एनसीपी (शरद गुट) का गठबंधन है लेकिन दोनों ही धड़ों के बीच एक समानता है। वह यह है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दोनों गठबंधनों के घटक दल सीटों पर खींचतान कर रहे हैं।

बीजेपी 2019 में जितनी सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ी थी, उससे ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। यानी 25 से ज्यादा सीटों पर बीजेपी उम्मीदवार उतारना चाहती है और इसके लिए उसकी नजर शिव सेना (शिंदे) की कुछ सीटों पर है। उधर, शिवसेना (शिंदे) ने दावा किया है कि तीनों दल उन सीटों पर चुनाव लड़ने वाले हैं, जिन पर उन्होंने 2019 में चुनाव लड़ा था, वहीं भाजपा और एनसीपी नेताओं का दावा है कि सीट-बंटवारे का फॉर्मूला तय नहीं हुआ है। भाजपा कम से कम उन छह सीटों पर चुनाव लड़ना चाह रही है, जो 2019 में शिवसेना के पास थीं, उसमें एक मुंबई दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र भी है।

बता दें कि महाराष्ट्र में ऐसी कई सीटें हैं, जिस पर बीजेपी-शिवसेना और एनसीपी गठबंधन में तीनों दलों की नजरें टिकी हुई हैं। इसके बाद गठबंधन के भीतर सीट बंटवारे को लेकर भारी तकरार मची हुई है। उदाहरण के लिए, मावल लोकसभा क्षेत्र को लें। 2019 में शिवसेना के श्रीरंग बार्ने ने एनसीपी नेता अजीत पवार के बेटे पार्थ पवार को हराकर यह सीट जीती थी। एकनाथ शिंदे गुट में शामिल हुए बार्ने को इस निर्वाचन क्षेत्र से टिकट मिलने की उम्मीद है। हालाँकि, एनसीपी और बीजेपी का स्थानीय नेतृत्व सार्वजनिक रूप से इस सीट पर दावा कर अपनी-अपनी पार्टियों पर दबाव बना रहा है।

एनसीपी (शरद पवार गुट) के अमोल कोल्हे फिर से शिरूर सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस सीट पर एनसीपी (अजीत) के साथ-साथ सेना (शिंदे) समूह भी चुनाव लड़ने को बेकरार है। शिवसेना (शिंदे) के पूर्व शिरूर सांसद शिवाजीराव अधलराव पाटिल, जिन्हें कोल्हे ने 2019 में हराया था, चुनाव लड़ना चाह रहे हैं। इसी तरह, अजित पवार पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि उनकी पार्टी सतारा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेगी, जिसका प्रतिनिधित्व वर्तमान में एनसीपी (शरद पवार गुट) श्रीनिवास पाटिल कर रहे हैं। पिछली बार पाटिल ने बीजेपी के उदयनराजे भोसले को हराया था। इस सीट पर बीजेपी की भी नजर है।

भारतीय सेना नहीं हटी तो मालदीव में लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा: मुइज्जू

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपने एक बयान से भारत के प्रति अपना रवैया बदल लिया है। उन्होंने भारत से मालदीव में तैनात अपने सैनिकों को वापस बुलाने की बात कही है। इस बयान से उनका चीन के प्रति झुकाव साफ दिखने लगा है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने पद संभालने से पहले कहा था कि मालदीव से भारतीय सैनिकों को हटाया जाएगा और अब उनका कहना है कि अगर भारत द्वारा सेना नहीं हटाया जाता है तो मालदीव में लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। गौरतलब है कि करीब 77 भारतीय सैन्यकर्मी मालदीव में हैं और देश के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के 24 घंटे से भी कम समय के बाद मोहम्मद मुइज्जू ने भारत सरकार से मालदीव से भारतीय सैनिकों को 'वापस' बुलाने का औपचारिक अनुरोध किया था। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि भारत द्वारा हिंद महासागर द्वीपसमूह से अपनी सेना नहीं हटाने का मतलब मालदीव के लोगों की 'लोकतांत्रिक इच्छा' की अवहेलना करना होगा और देश में लोकतंत्र का भविष्य खतरे में पड़ जाएगा।

बता दें कि उन्होंने किसी भी स्थायी सैन्य उपस्थिति को अस्वीकार कर दिया था। हालांकि, राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत के साथ रक्षा सहयोग का समर्थन किया, जिसमें मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल की परिचालन तत्परता के निर्माण के प्रयास भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि यह आपसी सम्मान और विश्वास पर आधारित है। मुइज्जू ने विश्वास जताया कि मालदीव में भारतीय सैन्य उपस्थिति का मुद्दा बातचीत के जरिए सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मालदीव में संसदीय मंजूरी के बिना विदेशी सैन्य कर्मियों की मौजूदगी संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। वहीं, चीन के प्रति उनके कथित झुकाव के बारे में पूछे जाने पर मुइज्जू ने कहा कि वह केवल मालदीव समर्थक नीति का पालन करने जा रहे हैं।

हालांकि कहा जा रहा है कि भारत की यात्रा से पहले मोहम्मद मुइज्जू चीन का दौरा कर सकते हैं, जिससे वह ऐसा करने वाले पहले लोकतांत्रिक रूप से मालदीव के निर्वाचित राष्ट्रपति बन जाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मालदीव में हेलीकॉप्टर का प्रबंधन करने के लिए 24 भारतीय सैन्यकर्मी हैं, डोर्नियर विमान का प्रबंधन करने के लिए 25 भारतीय हैं, वहीं एक अन्य हेलीकॉप्टर का प्रबंधन करने के लिए 26 भारतीय हैं और रखरखाव एवं इंजीनियरिंग के लिए दो और सदस्य हैं। जब?कि सितंबर में राष्ट्रपति चुनाव जीतने वाले राष्ट्रपति मुइज्जू ने मालदीव से सभी 77 भारतीयों को भेजने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

समलैंगिक जोड़े को मैरिज सर्टिफिकेट नहीं दिया,अब भरना होंगे दो करोड़ से ज्यादा

लेक्सिंगटन। अमेरिका के केंटुकी में समलैंगिक जोड़ों को विवाह लाइसेंस जारी करने से इनकार करना एक पूर्व काउंटी क्लर्क को इतना भारी पड़ेगा, उसने कभी सपनों में भी सोचा न होगा। अब इस क्लर्क को एक जोड़े का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को फीस और खर्च के रूप में कुल 2 लाख 60 हजार 104 का भुगतान करना होगा। एक संघीय न्यायाधीश ने यह फैसला सुनाया। भारतीय मुद्रा में यह कीमत 2 करोड़ 16 लाख 59 हजार 835 रुपये होती है। यह हर्जाने में एक लाख के अतिरिक्त है। जूरी ने कहा कि रोवन काउंटी के पूर्व क्लर्क किम डेविस को मुकदमा करने वाले जोड़े को भुगतान करना चाहिए। लेक्सिंगटन हेराल्ड-लीडर की रिपोर्ट के अनुसार, क्लर्क डेविस के वकीलों ने तर्क दिया कि वकीलों द्वारा मांगी गई फीस और लागत अत्यधिक थी, लेकिन अमेरिकी जिला न्यायाधीश डेविड एल बनिंग ने इस पर असहमति जताई और कहा कि डेविस को भुगतान करना होगा, क्योंकि वे लोग अपने मुकदमे में विजयी रहे। डेविस ने तब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया, जब 2015 में उनके इनकार के कारण उन्हें कुछ समय के लिए जेल में डाल दिया गया था, जो उनके इस विश्वास पर आधारित था कि शादी केवल एक पुरुष और एक महिला के बीच होनी चाहिए। डेविस को उसके कर्मचारियों द्वारा उसकी ओर से लाइसेंस जारी करने के बाद ही रिहा किया गया, लेकिन फॉर्म से उसका नाम हटा दिया गया। केंटुकी की राज्य विधायिका ने बाद में राज्य विवाह लाइसेंस से सभी काउंटी क्लर्कों के नाम हटाने वाला एक कानून बनाया।

सुनवाई के दौरान आरोपी ने अदालत में ही महिला जज को पीटा

लास वेगास । अदालत में सुनवाई के दौरान आरोपी ने महिला जज को पीट दिया, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जज ने आरोपी डियोब्रा को दोषी मानते हुए जेल भेजने का आदेश दिया था। इस बात से आरोपी डियोब्रा इतना नाराज हो गया कि उसने एकदम से मेज के ऊपर से छलांग लगाते हुए महिला जज पर हमला बोल दिया। अमेरिका के लास वेगास में अदालत की सुनवाई के दौरान यह घटना हुई है। यह सब कुछ इतनी जल्दी हुआ कि अदालत में मौजूद सुरक्षाकर्मी और अन्य लोग महिला जज को बचा नहीं पाए। किसी तरह सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी को काबू में किया और फिलहाल उसे जेल भेज दिया गया है। यह पूरी घटना कोर्ट में लगे कैमरे में रिकार्ड हो गई। बुधवार को लास वेगास के निवासी आरोपी डियोब्रा डेलोन रेड्डेन (30 वर्षीय) को एक मामले में सुनवाई के लिए अदालत में पेश किया गया। क्लार्क काउंटी डिस्ट्रिक्ट जज मैरी के मामले की सुनवाई कर रहीं थी। जज ने आरोपी डियोब्रा को दोषी मानते हुए जेल भेजने का आदेश दिया। इस बात से आरोपी डियोब्रा इतना नाराज हो गया कि उसने महिला जज पर हमला बोल दिया। घटना के वक्त आरोपी हिरासत में नहीं था। वीडियो में दिख रहा है कि आरोपी ने महिला जज की कुर्सी पर छलांग लगाई और महिला जज को जमीन पर गिराकर लात-घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। इस पर तुरंत कोर्ट के मार्शल और अन्य पुलिसकर्मियों ने महिला जज को बचाने की कोशिश की लेकिन आरोपी इतना उग्र था कि उसने फिर भी महिला जज को पीटना जारी रखा। कुछ देर हाथापाई के बाद आरोपी को काबू में किया गया। इस हमले में महिला जज को गंभीर चोट लगी है। वहीं जज को बचाने वाले मार्शल का सिर फट गया और उसका कंधा भी टूट गया। वहीं आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

क्रिसमस की सफाई में महिला को मिला खजाना

न्यूयॉर्क । नया साल आने से पहले जर्मनी के मैक्डबुर्ग में रहने वाली महिला की किस्मत कुछ ऐसी खुली कि उसे अचानक ही घर में खज़ाना मिल गया। वैसे तो वो क्रिसमस की सफाई कर रही थी लेकिन झटके से वो अमीर बन गई। महिला त्यौहारों की साफ-सफाई में जुटी हुई थी इसी बीच उसे अपन घर की एक छोटी डेस्क से पुराना लॉटरी का टिकट मिल गया। ये टिकट करीब दो साल पुराना था और इसे फरवरी, 2021 को खरीदा गया था। महिला को खुद भी इसके बारे में बिल्कुल याद नहीं था। लॉटरी के अधिकारियों ने बताया कि टिकट बहुत अच्छी स्थिति में था। दिलचस्प बात ये थी कि 91,64,529 रुपये के इस प्राइज़ को 31 दिसंबर, 2024 तक क्लेम किया जा सकता है। उनके मुताबिक ये पहले इतना बड़ा अमाउंट है, जिसे किसी ने इतने दिनों के बाद क्लेम किया है। महिला ने पैसे मिलने के बाद सबसे पहले छुट्टी पर जाने का प्लान बनाया है। इससे पहले अमेरिका में भी साल्टीनेस होल्डिंग नाम के शख्स ने अपने करोड़ों के प्राइज़ को 10 मिलियन डॉलर के अपने प्राइज़ को एक साल बाद क्लेम किया था।

पांच लाख से अधिक अवैध प्रवासियों को भेजा देश के बाहर

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने संसद के उच्च सदन को बताया कि पाकिस्तान सरकार के निर्वासन अभियान के तहत पांच लाख से अधिक अवैध प्रवासियों को देश से वापस भेजा जा चुका है। मंत्रालय ने सांसद मोहसिन अजीज के स्वदेश वापसी व निर्वासन अभियान की वर्तमान स्थिति पर किए सवाल में यह जानकारी दी। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने संसद को बताया कि सरकार के निर्वासन अभियान के तहत पांच लाख से अधिक अवैध प्रवासियों को देश से वापस भेजा जा चुका है। मंत्रालय ने सांसद अजीज के स्वदेश वापसी व निर्वासन अभियान की वर्तमान स्थिति पर किए सवाल में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि तकरीबन 17 लाख प्रवासी गैरकानूनी तरीके से देश में रह रहे हैं और इनमें से अधिकांश अफगानी हैं। तकरीबन 5.41 लाख लोगों को वापस भेजा जा चुका है।

नोबेल विजेता अर्थशास्त्री मुहम्मद यूनुस को शेख हसीना सरकार ने भेजा जेल

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार ने नोबेल विजेता अर्थशास्त्री मुहम्मद युनुस को जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार आम चुनाव से कुछ दिन पहले ग्रामीण बैंक के संस्थापक मुहम्मद युनुस को श्रम कानूनों के उल्लंघन के लिए दोषी ठहराया गया। सरकार ने उन्हें 6 महीने जेल की सजा सुनाई गई। प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के आलोचकों का आरोप है कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त व्यक्ति के प्रति सरकारी प्रतिशोध का मामला है। हालाँकि, अन्य लोग इसे श्रमिकों द्वारा दायर कानूनी मामले के रूप में देखते हैं। श्रम कानून के उल्लंघन के एक साधारण मामले को राजनीति से प्रेरित माना जा रहा है। दरअसल मुहम्मद युनुस और पीएम शेख हसीना की अवामी लीग के बीच मनमुटाव चल रहा है। बता दें कि भले ही ग्रामीण टेलीकॉम के युनुस और उनके तीन सहयोगियों को 6 महीने की जेल की सजा दी गई, लेकिन श्रम अदालत ने उन्हें एक महीने के लिए जमानत भी दे दी, जिससे उन्हें उच्च न्यायालय में अपील करने का समय मिल गया। उन पर कंपनी में श्रमिक कल्याण कोष बनाने में विफल रहने के लिए श्रम कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया है। जाहिर है ग्रामीण टेलीकॉम युनुस द्वारा स्थापित कई कंपनियों में से एक है। फिलहाल देश में जहां सरकार को विपक्षी आवाजों को दबाने की कोशिश के संदेह के साथ देखा जाता है। वहीं 83 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता के खिलाफ फैसले को स्वतंत्रता के क्षरण और सरकारी आलोचकों को चुप कराने की कोशिश के एक और उदाहरण के रूप में पेश किया जा रहा है। बता दें कि बांग्लादेश में 7 जनवरी को चुनाव होने जा रहा है, जिसका उसकी मुख्य विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने बहिष्कार किया है।

भूकंप के बाद जीवित लोगों की तलाश जारी, मरने वालों की संख्या 73 पहुंची

टोक्यो । जापान में आए भीषण भूकंप से मरने वालों की संख्या 73 हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार नए साल के दिन आए सिलसिलेवार शक्तिशाली भूकंपों से जानमाल का काफी नुकसान हुआ, जबकि ढही इमारतों के नीचे बचे लोगों की तलाश आज चौथे दिन भी जारी रही। 7.5 की तीव्रता वाले शक्तिशाली भूकंप ने इशिकावा के केंद्रीय प्रान्त में नोटो प्रायद्वीप को झटका दिया, जिससे इमारतें ढह गईं और सुनामी की चेतावनी भी जारी की गई। बताया जा रहा है कि यह सभी मौतें इशिकावा प्रान्त में हुई हैं जहाँ नोटो प्रायद्वीप सबसे अधिक प्रभावित है। स्थानीय सरकार के के सूत्रों ने बताया कि भूकंप के बाद से ही 33,000 से अधिक लोगों ने अपने घर खाली कर दिए हैं और लगभग 1,00,000 घरों में पानी की आपूर्ति नहीं है। 300 से अधिक लोग घायल हुए हैं और उनमें से कम से कम 25 की हालत गंभीर है। हजारों बचावकर्मियों ने ठंड और भारी बारिश के बीच मलबे में फंसे कई और लोगों को निकालने के लिए कड़ी मेहनत की। मौसम विशेषज्ञों ने इशिकावा में भारी बारिश की चेतावनी दी है। जिससे भूस्खलन और आधे-अधूरे घरों को अधिक नुकसान होने की चिंता है।

उत्तरी फ्रांस में आई बाढ़ के बाद सिविल सिक्यूरिटी बचाव दल लोगों को पानी के बीच से निकालते हुए।

अमेरिका का दावा-हमास ने इजरायली बंधकों को अस्पताल में छुपाया था

तेल अवीव। अमेरिका ने दावा किया है कि इजरायली बंधकों को गाजा के सबसे बड़े अस्पताल के तहखाने में छिपाया गया था। ये काम आतंकी संगठन हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहादियों ने किया था। इसके एक नहीं कई संकेत मिल है और ऐसे ही स्थानों से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला बारूद, कई प्रकार के दस्तावेज, लैपटॉप आधुनिक तकनीक वाली सामग्री आदि जब्त की गई है। अमेरिकी खुफिया आकलन में अल शिफा अस्पताल परिसर के बारे में इजरायली दावों का समर्थन किया गया है, जिसमें उनका मानना है कि आतंकी समूहों ने अल शिफा अस्पताल और उसके नीचे की साइटों का उपयोग बंधकों को छिपाने में किया था। इसी जगह से आतंकी कमांड और गतिविधियों को कंट्रोल किया जा रहा था। यहां हथियारों का स्टोर भी था। अमेरिका ने कहा कि हमास ने अस्पताल खाली करा लिया था और उसके संवेदनशील दस्तावेज जला दिए थे। नवंबर में इजरायली सेना ने अल शिफ़ा अस्पताल पर छापा मारा था। इस कदम की वैश्विक मानवतावादी संगठनों ने भारी आलोचना की थी। हालांकि छापे से पहले, इजरायली सेना ने अस्पताल के नीचे बने हमास कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का वीडियो जारी किया था। आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत अस्पताल पर हमला नहीं किया जाता है, लेकिन यदि उनका इस्तेमाल सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है तो फिर यह उन पर लागू नहीं होता है। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर को गाजा के हमास आतंकी संगठन ने इजरायल पर अप्रत्याशित हमला बोला था और इसमें 1200 से अधिक लोग मारे गए थे जबकि कुछ लोगों का अपहरण कर लिया। इन बंधकों को छिपाने के लिए स्कूल और अस्पतालों का उपयोग किया था। इजरायल ने भी कड़ा जवाब देते हुए हमास पर हमला बोला और अब तक लड़ाई जारी है। हमास के गाजा इलाके में अब तक 22,000 लोगों की मौत हो चुकी है।

अमेरिका ने हूतियों को लाल सागर में जहाजों पर हमले बंद करने या फिर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और 12 सहयोगी देशों ने हूती विद्रोहियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे लाल सागर में जहाजों पर हमले बंद करें अन्यथा संभावित सैन्य कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

गाजा में 19 दिसंबर से इजराइल-हमास युद्ध के जवाब में यमन के आतंकवादियों ने कम से कम 23 हमले किए हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हमले जारी रहने पर संभावित भागीदारी के नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी देने से इनकार कर दिया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि ईरान समर्थित हूतियों को अमेरिका और उसके सहयोगियों से ''एक और चेतावनी की उम्मीद नहीं करनी चाहिए''।

सहयोगी देशों की ओर से बुधवार को हमलों की निंदा करते हुए जारी किये गये एक संयुक्त बयान के तुरंत बाद व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर इस बारे में जानकारी दी। बयान पर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, जर्मनी, इटली, जापान, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, सिंगापुर और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर किए।

इसके अलावा अमेरिका ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से हूतियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आह्वान किया और उनके वित्तपोषक ईरान को चेतावनी दी कि उसके पास विकल्प मौजूद है कि वह विद्रोहियों को समर्थन जारी रखे या नहीं।

देशों ने कहा, ''अब हमारा संदेश स्पष्ट होना चाहिए। हम इन हमलों को तत्काल समाप्त करने और गैरकानूनी रूप से हिरासत में लिए गए जहाजों और चालक दल को रिहा करने का आह्वान करते हैं।''

उन्होंने कहा, ''अगर हूती जीवन, वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्र के महत्वपूर्ण जलमार्गों में वाणिज्य के मुक्त प्रवाह को खतरे में डालना जारी रखते हैं तो परिणाम भुगतने के लिए खुद जिम्मेदार होंगे।''

हाल के हफ्तों में हूतियों ने लाल सागर में उन जहाजों पर हमलों का दावा किया है जिनके बारे में उनका कहना है कि वे या तो इज़राइल से जुड़े हैं या इजराइली बंदरगाहों की ओर जा रहे थे।

हूतियों का कहना है कि उनके हमलों का उद्देश्य गाजा पट्टी में इजराइली हवाई और जमीनी हमले को खत्म करना है, जो दक्षिणी इजराइल में सात अक्टूबर को फलस्तीनी चरमपंथी समूह हमास के हमले के बाद शुरू हुआ था।

हूतियों के हमलों में अहम बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से गुजरने वाले मालवाहक जहाजों को निशाना बनाया गया है। बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य एशिया और यूरोप को जोड़ता है।

अमेरिका और उसके सहयोगियों ने जहाज यातायात की सुरक्षा के लिए 'ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन' का गठन किया है और वर्तमान में अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन के युद्धपोत इस क्षेत्र में गश्त कर रहे हैं।

रविवार को लाल सागर में एक मालवाहक जहाज पर हमले की घटना के बाद अमेरिकी हेलीकॉप्टर ने हूती विद्रोहियों पर गोलीबारी की, जिसमें उनमें से कई मारे गए।

आतंकियों ने आम चुनाव के 2 प्रत्याशियों को बनाया निशाना

-लोकतांत्रिक कानून को पूरी तरह शरियत के खिलाफ बताया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में आम चुनाव में बाधक आतंकवादी संगठनों ने अलग-अलग पार्टी के दो प्रत्याशियों पर हमला किया। हालांकि बुलेट प्रूफ वाहन होने की वजह से यह प्रत्याशी बच गए। इनमें से एक प्रत्याशी जमीयत उलेमा इस्लाम के कारीउल्लाह हैं। चुनाव प्रचार के समय जाते हुए आतंकवादियों ने उनके रास्ते में बम रख दिया। इस बम धमाके से उनकी गाड़ी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि कारी बच गए।

दूसरा हमला राष्ट्रीय डेमोक्रेटिक मोमेंट के नेता मोहसिन डाबर पर हुआ जहां चुनाव प्रचार के दौरान आतंकवादियों ने उनकी गाड़ी पर जमकर गोलियां बरसाईं।

इसके पहले आतंकवादियों ने साफ तौर पर ऐलान किया था कि लोकतंत्र में यह लोग सभाओं में बैठकर कानून बनाते हैं जो पूरी तरह से इस्लामी शरियत के खिलाफ है। अल्लाह ने अपने किसी पैगंबर को कानून बनाने का अधिकार नहीं दिया है, क्योंकि कानून बनाने वाला तो केवल अल्लाह ही है। आतंकवादियों ने खुली धमकी देते हुए कहा था कि लोग चुनाव में भाग न लें और न ही चुनाव प्रचार रैलियां न करें अन्यथा अपने जान माल के नुकसान के वे लोग खुद जिम्मेदार होंगे। आतंकवादी इसके पहले 2 प्रत्याशियों को धमकी दे चुके हैं, जिसे लेकर पाकिस्तान की पुलिस ने अलर्ट भी जारी किया है।

चुनाव को नजदीक आता देख पाकिस्तान का इलेक्शन कमीशन भी अपने एक्शन में आ रहा है। इलेक्शन कमीशन ने पेशावर और मर्दान समेत अनेक जगहों पर चुनाव प्रत्याशियों द्वारा लगाए गए होर्डिंग्स को हटा दिया। इसके साथ ही इलेक्शन कमीशन ने इनका एक वीडियो भी जारी किया और उसमें एक फोन नंबर देते हुए कहा कि यदि ऐसे होर्डिंग किसी भी इलाके में लगे पाए जाएं तो इसकी सूचना तत्कालीन नंबरों पर दी जाए जिससे उन्हें हटाया जा सके।

चुनाव के दौरान आतंकवादी हमलों के बारे में माना जा रहा है कि पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी एक साथ दो चाल चल रही हैं। इनमें से एक चाल आतंकवादियों द्वारा चुनावी प्रत्याशियों पर आतंकवादी हमला करने की है जिसे रोकने में पाकिस्तानी फौज और खुफिया एजेंसियां कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही है। चाल का दूसरा भाग यह है कि यदि चुनाव में इमरान खान की पार्टी भारी पड़ती दिखाई दी तो आतंक का साया दिखाकर चुनाव रोके भी जा सकते हैं।

रोते हुए गुलाम हैदर ने कहा, सीमा बहुत बुरी पत्नी और मां साबित हुई

-मेरे बच्चों का उत्पीड़न हो रहा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान से गैरकानूनी तरीके नेपाल के रास्ते भारत आईं सीमा हैदर के पति गुलाम हैदर ने बच्चों की पाक वापसी की मांग की है। गुलाम ने कहा कि उसके बच्चों का भविष्य अधर में लटक गया है। उन्हें इस तरह से दूसरे देश और संस्कृति में ले जाना बच्चों के लिए मानसिक तौर पर ठीक नहीं है। वहीं बच्चों के सचिन के साथ घुलने मिलने और खुद को गैर जिम्मेदार पिता कहने की बात पर गुलाम ने कहा कि वह एक अच्छा पिता है। उसके बच्चों और बीवी को बहकाया गया है। दूसरी ओर पाकिस्तान के यूट्यूबर ने आरोप लगाया है कि सीमा के बच्चों के साथ उत्पीड़न हो रहा है।

हैदर ने रोते हुए कहा, मुझे बच्चों को छोड़कर जाने वाला कहा जा रहा है। मैं कहीं घूमने-फिरने नहीं गया था, मैं अपने बच्चों की परवरिश के लिए कमाने गया था। आज मेरे बच्चों को मुझसे दूर कर दिया गया है। छह महीने से मैंने बच्चों को देखा नहीं है, इससे मेरे दिल पर जो बीत रही है, वहां मेरा खुदा जानता है। खुदा सीमा हैदर को कभी भी माफ नहीं करेगा, क्योंकि उसने मेरे बच्चों को मुझसे दूर किया है।

पाकिस्तान के खालिद हुसैन नाम के शख्स ने कहा कि गुलाम अपने बच्चों के साथ यौन शोषण को लेकर डरा हुआ है। उसने कहा कि जिस तरह से सीमा के बच्चों के साथ सचिन का बर्ताव है, वहां संदेह पैदा करता है और इससे शायद गुलाम ज्यादा घबराया हुआ है। खालिद ने सचिन पर गंभीर आरोप लगाकर कहा, भारत में हर 15 मिनट पर एक बच्चे का शोषण होता है। इसमें ज्यादातर मामलों में ऐसी हरकत करने वालों में 90 फीसदी बच्चों के नजदीकी ही शामिल होते हैं। बच्चों को लेकर एक बाप हमेशा फिक्रमंद होता है। इंडिया में बच्चों के साथ ऐसी हरकतें बहुत होती हैं। मुझे सीमा के बच्चों के साथ इस तरह की हरकत होने का डर है और इसी का डर शायद गुलाम को है। खालिद ने अपने वीडियो के साथ सचिन के कुछ वीडियो और तस्वीरें भी साझा की हैं, जिसमें वह सीमा के बच्चों के साथ खेल रहा है या उन्हें गोद में बैठाए हुए हैं। कुछ तस्वीरों में वह बच्चों को किस भी कर रहा है। दूसरी ओर गुलाम हैदर ने कहा है कि सीमा एक बेहद बुरी मां साबित हुई है, जिसने अपने लिए बच्चों की भेंट चढ़ा दी है। गुलाम ने कहा है कि वह चाहता है कि उसके बच्चों को सचिन, नेत्रपाल और वकील एपी सिंह से दूर रखा जाए।

ट्रंप की अपील कहा- मुझे मतदान करने का हक दीजिए

वॉशिंगटन (एजेंसी)। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने शेना बेलोज़ के मेन फैसले के खिलाफ अपील करते हुए कहा है कि मुझे मतदान का हक मिलना चाहिए। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प ने मंगलवार को डेमोक्रेटिक सेक्रेटरी ऑफ स्टेट के उस फैसले के खिलाफ अपील की, जिसमें उन्हें 6 जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल पर हुए हमले में उनकी भूमिका के लिए मतदान से रोक दिया गया था। उम्मीद की जा रही थी कि वह अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से संबंधित कोलोराडो मामले में राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने की उनकी पात्रता पर फैसला देने की अपील भी करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में ट्रम्प की अपील में यह कहा गया है कि बेलोज़ के पास इस मामले में कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है और अनुरोध किया गया है कि 5 मार्च के प्राथमिक मतदान में ट्रम्प को शामिल किया जाए। अपील में तर्क दिया गया है कि शेना बेलोज़ ने अविश्वसनीय साक्ष्य पर भरोसा किया।ट्रम्प के वकीलों ने लिखा कि पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ पूर्वाग्रह के कारण सचिव को खुद को अलग कर लेना चाहिए था। बेलोज़ ने मंगलवार को एसोसिएटेड प्रेस को दोहराया कि उनका फैसला अपील के नतीजे आने तक रुका हुआ है, जिसकी उम्मीद की गई थी। यह प्रक्रिया का हिस्सा है। मुझे अपने निर्णय और कानून के शासन पर भरोसा है। यह मेन की प्रक्रिया है और यह वास्तव में महत्वपूर्ण है कि सबसे पहले हममें से हर एक जो सरकार में सेवा करता है वह संविधान और राज्य के कानूनों को बनाए रखे।

मंगलवार को ट्रंप द्वारा कोलोराडो सुप्रीम कोर्ट के इसी तरह के फैसले के खिलाफ सीधे अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की भी उम्मीद थी। देश की सर्वोच्च अदालत ने कभी भी धारा 3 पर कोई निर्णय जारी नहीं किया है, और कोलोराडो अदालत का 4-3 फैसला, जो ट्रम्प पर लागू होता है। ऐसा इतिहास में पहली बार था जब इस प्रावधान का इस्तेमाल किसी राष्ट्रपति पद के दावेदार को मतदान से रोकने के लिए किया गया था। ट्रम्प के आलोचकों ने कई राज्यों में उन्हें मतदान से अयोग्य घोषित करने के लिए दर्जनों मुकदमे दायर किए हैं। कोई भी तब तक सफल नहीं हुआ जब तक कि कोलोराडो के सात न्यायाधीशों, जिनमें से सभी डेमोक्रेटिक गवर्नरों द्वारा नियुक्त किए गए थे, के मामूली बहुमत ने ट्रम्प के खिलाफ फैसला नहीं सुनाया। आलोचकों ने चेतावनी दी कि न्यायिक प्रक्रिया के बिना आसानी से यह घोषित नहीं कर सकती कि 6 जनवरी का हमला एक विद्रोह था। कोलोराडो के शासन के एक सप्ताह बाद, बेलोज़ ने अपना निर्णय जारी किया। आलोचकों ने चेतावनी दी कि यह और भी खतरनाक है क्योंकि यह पक्षपातपूर्ण चुनाव अधिकारियों के लिए उन उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित करने का मार्ग प्रशस्त कर सकता है जिनका वे विरोध करते हैं। अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन की मेन शाखा के पूर्व प्रमुख बेलोज़ ने पहले 6 जनवरी को ट्रम्प और उनके व्यवहार की आलोचना की थी।

पाकिस्तान में चलती है हिंदू महिलाओं की दिलेरी, दौलत के साथ नाम भी कमाया

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदुओं के हालात किसी से छुपे नहीं हैं। ऐसे में जिस जगह पर हिंदू होना ही प्रताड़ना की गारंटी है, वहां पर अगर कोई महिला नाम और शोहरत कमाती है, तो ये बहुत बड़ी बात है। पाकिस्तान में ऐसी ही दो महिलाएं हैं, जिन्होंने नाम के साथ भरपूर दौलत कमाई और अपनी दिलेरी के लिए जानी जाती हैं। पाकिस्तान में हिंदुओं की स्थिति बेहद खराब होने के बावजूद इन दोनों महिलओं ने अपना आला मुकाम हासिल किया है। इनमें से एक तो राजनीति में रहकर नाम और पैसा दोनों ही कमा रही हैं। वहीं दूसरी महिला फिल्म इंडस्ट्री में झंडे गाड़ चुकी है। इनका नाम हिंदू होने के बाद भी पाकिस्तान में इज्जत से लिया जाता है। हिंदुओं को पाकिस्तान में समान अवसर नहीं मिलते हैं, बावजूद इसके संगीता उर्फ परवीन रिज़वी की गिनती यहां की अमीर शख्सियतों में होती है। उनका जन्म आज़ादी के साल यानि 1947 में कराची में हुआ था। उन्होंने 1969 से ही पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा। उन्हें अपने हिंदू नाम की वजह से शुरू में परेशानी हुई, जिसके बाद उन्होंने इंडस्ट्री में खुद को परवीन रिज़वी का नाम दे दिया। आज वे मशहूर एक्ट्रेस और डायरेक्टर हैं। वे पाकिस्तानी फिल्म इंडस्ट्री के सीरियल्स से लेकर बड़े बजट की फिल्मों तक का हिस्सा रहीं और इससे बेशुमार दौलत कमाई। ऐसी ही एक अन्य हिंदू महिला का नाम भी आता है, जिनकी गिनती पाकिस्तान के अमीर लोगों में होती है।

ठंड के मामले में स्वीडन ने तोड़े पिछले कई रिकॉर्ड - 43.6 डिग्री सेल्सियस हुआ तापमान

स्टॉकहोम (एजेंसी)। ठंड के मामले में करीब ढ़ाई दशक पुराना रिकॉर्ड स्वीडन ने तोड़ा है। यहां जनवरी 1999 में स्वीडन में शून्य से 49 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया था। जिसने 1951 में बनाए गए रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। लिंड ने कहा कि बुधवार की माप स्वीडन के सुदूर उत्तर में क्रिक्कजोक-अरेन्जार का स्टेशन पर की गई थी। उन्होंने कहा कि साइट 1888 में माप शुरू होने के बाद से इस जगह पर सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है।

स्वीडन में बुधवार को 25 वर्षों में जनवरी की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। देश के सुदूर उत्तर क्षेत्र में तापमान शून्य से 43.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, क्योंकि देश और पड़ोसी फिनलैंड में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। स्वीडन की राष्ट्रीय मौसम एजेंसी एसएमएचआई के मौसम विज्ञानी मैटियास लिंड ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि साल 1999 के बाद से स्वीडन में सबसे कम जनवरी का तापमान है। स्वीडन के उत्तरी भागों में कई अन्य स्टेशनों पर तापमान शून्य से 40डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। जबकि यह क्षेत्र ठंड के तापमान को देखने का आदी है। हाल की ठंड ने स्थानीय बस ऑपरेटरों को सेवाएं रद्द करने के लिए मजबूर कर दिया है और ट्रेन ऑपरेटर ने मंगलवार को कहा कि उसने उमिया शहर के उत्तर में सभी ट्रेनों को कई दिनों के लिए रद्द कर दिया है। पड़ोसी फिनलैंड में भी ट्रेनें बाधित हुईं, उत्तरी लैपलैंड क्षेत्र में मंगलवार शाम को शून्य से 38.7 सेल्सियस नीचे का मौसमी रिकॉर्ड दर्ज किया गया। पानी के पाइप जमने की भी कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते टाम्पेरे शहर में लगभग 300 लोग बिना पानी के रहना पड़ रहा है। अगले कुछ दिनों में ठंड का रुख दक्षिण की ओर बढ़ने की आशंका है। फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी के निवासियों को पहले से ही बुधवार को तापमान शून्य से 15 डिग्री सेल्सियस नीचे जाने का अनुमान है।

संपादकीय

अनावश्यक मिथ्याभ्रम

हम अपनी सोच में इस अनावश्यक चिन्तन में घिरे रहते है कि हमारे से दूसरे की जिन्दगी अच्छी है । यह अनावश्यक मिथ्याभ्रम का कोई तथ्य नहीं है क्योंकि हम भूल जाते हैं कि हम भी तो दूसरों के लिए हैं एक दूसरे ही हैं । मन की लोभी तृष्णा का कोई अंत नहीं होता ।जैसे-जैसे सोचा हुआ हाशिल होता है वैसे-वैसे और नयी चाहत बढ़ने लगती है ।जिसका जीवन में कभी अंत ही नहीं होता ।जीवन की इस आपा-धापी में जीवन के स्वर्णिम दिन कब बीत जाते हैं उसका हम्हें भान भी नहीं रहता। आगे जीवन में कभी सपने अधूरे रह गये तो किसी के मुँह से यही निकलता है कि कास अमुक काम मैं अमुक समय कर लेता ।उनके लिये बस बचता है तो किसी के कास तो किसी के जीवन में अगर ।तृष्णा तो विश्व विजेता सिकंदर की कभी पूरी नहीं हुयी और जब विदा हुआ तो ख़ाली हाथ ।इसलिये कर्म ज़रूर करो और जो कुछ प्राप्त हुआ उसमें संतोष करना सीखो ।जीवन की इस भागम-भाग में आख़िरी साँस कौन सी होगी वो कोई नहीं जानता ।जिसने जीवन में संतोष करना सीख लिया उसका जीवन आनंदमय बन गया। इच्छा की अनन्तता ही प्राणी को दुखी करती है ।इसलिये सन्तों के पास अपनी कोई इच्छा नहीं होती । और कोई भी बात का ज़िक्र करे तो भी कहते है की प्रभु की जो मरजी हो वह मेरी इच्छा । इस इच्छा में शांति है इसलिये सन्त होते है और हमें इसलिए फटकार लगाते हैं ताकि इच्छाओं पर अंकुश हो 7 जरा सोचें, मन के पट खोलें और अनावश्यक मिथ्याभ्रम न पालें।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

प्राथमिकता से हो खाद्य मुद्रास्फीति का नियंत्रण

सुबीर रॉय

अब जबकि अगले साल आम चुनाव होने को हैं तो हम राजनीतिक मंतव्य से प्रेरित आर्थिक नीतियां देखने को तैयार रहें, यहां तक कि सामान्य से कहीं अलहदा। सरकार ने पहले ही संकेत दे दिया है कि आगामी केंद्रीय बजट में कुछ नया शामिल करने का इरादा नहीं है। लिहाजा जो भी सरकार सत्ता में आएगी, उसकी नई नीतियां बनने तक मौजूदा यथास्थिति बनी रहेगी। एक बार नई सरकार अपनी जगह बैठ गई तो ध्यान का केंद्र चुनाव प्रचार अवधि के दौरान मुफ्त की रेवड़ियों के वादे की एवज में जन-आकांक्षाओं को पहुंचे नुकसान की भरपाई करने पर होगा। इसलिए, जायजा लिया जाए तो चुनाव उपरांत ही वित्तीय लेखा-जोखा दुरुस्त करके, उत्तरदायी सामान्य प्रशासन बनाकर, आर्थिक नीतियों को स्वरूप मिल पाएगा। अतएव, अप्रैल माह तक माहौल मौज-मस्ती का रहेगा और जून के बाद 'गंभीरता से काम पर पुनः लगने' वाला चरण शुरू होगा। जैसे-जैसे नया साल आगे बढ़ेगा, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में चल रही लड़ाई जारी रहने और इससे वैश्विक व्यापार में आगे भी अस्थिरता बनी रहेगी। हालांकि, उम्मीद जगाती खबरों की मानें तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अब शांति वार्ता को राजी हैं और शायद प्रयास फलदायक रहें। लेकिन पूरी संभावना है कि रूस कब्जाए इलाके के कुछ हिस्से अपने पास रखना चाहेगा- जिस पर शायद वोल्दोमीर जेलेंस्की के नेतृत्व वाले यूक्रेन की प्रतिक्रिया यह होगी 'यह हमारी लाशों पर संभव है'। इसलिए, अब समझदारी यही अंदाज़ा लगाने में है कि लड़ाई जारी रहेगी। वहीं इस्राइल-हमास के बीच भी जंग खत्म होने के आसार फिलहाल क्षीण लगते हैं। लिहाजा हमें, जारी युद्ध प्रभावित वैश्विक व्यापार और वैश्वीकरण को क्षति भरा एक और साल बिताने की तैयारी करने की जरूरत है। इसके अलावा, एक अन्य खतरा तेजी से उभर रहा है, यमन के हुती विद्रोही लाल सागर से गुजरने वाले समुद्री जहाज़ों को निशाना बना रहे हैं, जिससे उन्हें अफ्रीका वाला लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है। नतीजतन न केवल अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों तक माल पहुंचाने के समय में बल्कि ढुलाई खर्च में भी इजाफा हो रहा है। पूरी संभावना है कि वैश्विक समुद्री आवाजाही में विघ्न से भारतीय आयात (विशेषकर तेल जैसी आवश्यक वस्तु) एवं निर्यात पर नए सिरे से वित्तीय बोझ पड़ेगा। इन परिस्थितियों के तहत, नई सरकार को 'बंद अर्थव्यवस्था' (आयात-निर्यात रहित) चलाने की योजना पर सोचना होगा, अलबत्ता, इससे उच्च आर्थिक दर पाने की हमारी आकांक्षा को धक्का लगेगा। इन सबके साथ, अगले साल की आर्थिक नीति को पर्यावरणीय परिवर्तनों के परिणामवश अतिशयी मौसमीय घटनाओं का सामना करने को योजना तैयार रखनी होगी। अतएव, यही वक्त है जब केंद्र सरकार चेन्नई और हैदराबाद में आई अचानक बाढ़ सरीखे ऊंचे दर्जे की प्राकृतिक मार झेलने वाले राज्यों की शीघ्रातिशीघ्र मदद के वास्ते एक विशेष फंड बनाए। किसी सूबे को बाढ़ या सूखे का सामना करने पर, आर्थिकी को बहुत नुकसान झेलना पड़ता है और सहायतार्थ केंद्र सरकार से लगातार गुहार लगानी पड़ती है। इस पर आकलन और प्रतिक्रिया करने में केंद्र सरकार को समय लगता है। लिहाजा अतिशयी मौसमी घटनाओं के लिए बना विशेष सहायता-फंड बीमा पॉलिसी सरीखा होगा, जिसे पाने की नियम और शर्तें पूर्वनिर्धारित हों ताकि पावती में कीमती वक्त और स्रोत खराब न होने पाए। इन तमाम नकारात्मकताओं के बीच, अच्छी खबर यह है कि नया साल 2023 की सकारात्मक आर्थिक विरासत के साथ शुरू होगा। भारत की आर्थिक विकास दर 6.5 प्रतिशत या उससे अधिक रहने की उम्मीद है, मुद्रास्फीति कुल मिलाकर काबू में है, विदेशी मुद्रा भंडार काफी ऊंचा है और मुद्रा-विनिमय दर स्थिर है। बहुस्तरीय एंजेसियों और वैश्विक विशेषकों का कहना है कि विश्व की मुख्य आर्थिक शक्तियों में भारत सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना हुआ है। व्यापारिक मोर्चे पर, वस्तु निर्यात की कारगुजारी आगे भी अनुमान के अनुरूप कमज़ोर बनी रहेंगी लेकिन आयात-निर्यात संतुलन में अंतर की क्षतिपूर्ति सेवा निर्यात (विशेषकर सॉफ्टवेयर का), भारतीय आप्रवासियों से भेजे जाने वाले धन और विदेशी पूंजी प्रवाह से हो सकेगी। फिलहाल, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अगले लगभग 18 महीनों तक आयात करने के बराबर है। यह स्थिति पड़ोसी मुल्कों पाकिस्तान और श्रीलंका के मुकाबले कहीं बेहतर है। आइए अब मुद्रास्फीति के मुख्य कारकों पर निगाह डालें। यह 5.5 फीसदी के साथ नियंत्रण में है, जो कि वहनीय स्तर यानी 6 प्रतिशत से कुछ ही नीचे है। लेकिन खाद्य मुद्रास्फीति (8.7 फीसदी) उच्च बनी हुई है, जो कि देश के गरीब तबके के लिए बुरी खबर है और उनमें अधिकांश पहले ही अतिरिक्त बोझ सहने लायक नहीं बचे, तिस पर बाढ़ अथवा सूखे से खेती प्रभावित होने का खतरा मंडरा रहा है। देश की लगभग आधी आबादी (47 फीसदी) का व्यवसाय कृषि है और इसकी आय का लगभग आधा (54 फीसदी) पेट भरने के इंतजाम में खप जाता है। इस स्थिति का आदर्श हल कृषि उत्पादन में वृद्धि करना है ताकि उतनी फसल कम हाथों के इस्तेमाल से उग पाए, जिससे कि उनकी आय में बढ़ोतरी हो।

कार्यबल में महिलाओं की गिनती बढ़ानी चाहिए ताकि वे बच्चे पालने और घर संभालने के काम से इतर रोजगार में लगें, जिससे उनकी आय बढ़े, जबकि छोटे ग्रामीण परिवारों में घर-गृहस्थी की देखभाल करने वाली औरतों को अपने इस काम के बदले कोई औपचारिक कमाई नहीं होती। वर्ष 2022 के आंकड़ों के अनुसार कुल कार्यबल में मर्दों का अंश 74 प्रतिशत है, जो कि महिलाओं के 24 फीसदी से तिगुणा है। यदि देश में कृषि के लिए हाथों की जरूरत कम करनी है तो इसके लिए उत्पादन और सेवा क्षेत्र में अधिक नौकरियां पैदा करनी पड़ेंगी। उच्च कृषि उत्पादन सदका ग्रामीण आय में बढ़ोतरी होने से ग्रामीण अंचल के लोग अधिक उपभोक्ता वस्तुएं जैसे कि दोपहिया वाहन, टीवी सेट और मोबाइल फोन इत्यादि खरीद पाएंगे, जिससे संलग्न सेवा क्षेत्र में भी ज्यादा मांग पैदा होगी। इस प्राप्ति से ग्रामीण सेवा क्षेत्र में अपने-आप ज्यादा रोजगार अवसर पैदा होंगे। जहां तक उत्पादन क्षेत्र में नौकरियों की बात है, तेज आर्थिक वृद्धि के साथ उनकी गिनती भी बढ़ेगी, लेकिन इस प्रक्रिया में सहायता तभी मिल पाएगी जब तमाम किस्म के धंधे- चाहे लघु एवं सूक्ष्म स्तर के हों या कॉर्पोरेट्स स्तर के- उन्हें खोलने-चलाने की प्रक्रिया का सरलीकरण हो। साथ ही, कारोबार के लिए वाजिब ब्याज दर पर पूंजी उपलब्ध हो ताकि कारोबारी अपना दायरा बढ़ाने लायक बन पाए (इसके लिए अधिक कार्यकारी पूंजी चाहिए होती है) और नया पूंजीगत निवेश कर पाएं। वहनयोग्य दर पर पूंजी तक पहुंच सुनिश्चित करने को, वास्तविक ब्याज दर को नीचा रखना आवश्यक है (मुद्रास्फीति घटाने के बाद मामूली दर)। इस ध्येय की पूर्ति मुद्रास्फीति के असर को दूर रखकर पाई जा सकेगी और मौजूदा वर्ष के लिए इससे बड़ी चुनौती है खाद्य मुद्रास्फीति दर में कमी लाना। जो भी नई सरकार आएगी, उसके समक्ष दो आर्थिक काम करने को होंगे, एक है कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी और दूसरा, आय सहित रोजगार में महिलाओं के लिए अवसरों में इजाफा करवाना। हालांकि, यह दोनों काम देश की दीर्घ-कालीन कार्यसूची का अंग हैं परंतु मौजूदा साल के लिए, यथेष्ट योजना के साथ इन पर फौरी काम शुरू करने पर ध्यान देना होगा।

लेखक आर्थिक मामलों के वरिष्ठ विश्लेषक हैं।

बापू ने कहा था साधु आज़ादी की लड़ाई से जुड़ें

अयोध्या में गांधी जी/ कृष्ण प्रताप सिंह

इसे संयोग ही कहा जायेगा, कि जिन राम के राज के अपने सपने को साकार करने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ताजिंदगी प्रयासरत रहे , उनकी राजधानी या कि जन्मभूमि अयोध्या वे सिर्फ दो बार पहुंच सके। अलबत्ता, अपने संदेशों से इन दोनों यात्राओं को महत्वपूर्ण बनाने में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। 10 फरवरी, 1921 को उनकी पहली यात्रा के समय, कहते हैं कि, अयोध्या व उसके जुड़वां शहर फैजाबाद में उत्साह की लहर थी। उनकी एक झलक पाने को लोग उनकी रेलगाड़ी आने से घंटों पहले ही स्टेशन से लेकर सभास्थल तक की सड़क व छतों पर जा खड़े हुए थे। घंटाघर पर शहनाई बज रही थी। सभा फैजाबाद व अयोध्या के संधिस्थल पर एक मैदान में होनी थी। लेकिन रेलगाड़ी स्टेशन पर आयी और स्थानीय कांग्रेसी नेता-आचार्य नरेन्द्रदेव व महाशय केदारनाथ- गांधीजी के डिब्बे में गये तो पता चला कि उन्होंने डिब्बे की कुछ खिड़कियां बंद कर ली हैं और किसी से मिलने से मना कर दिया है। दरअसल, वे इस बात को लेकर नाराज थे कि अवध में चल रहा किसान आंदोलन खासा उत्पाती हो चला था। फैजाबाद के किसानों ने बगावती तेवर अपनाकर उन्होंने तालुकेदारों व जमींदारों के घरों में आगजनी व लूटपाट की थी। यह स्थिति गांधी जी की बर्दाश्त के बाहर थी, लेकिन अनुनय-विनय करने पर उन्होंने यह बात मान ली कि वे सभा में चलकर लोगों से अपनी नाराजगी ही जता दें। उनके साथ अबुल कलाम आजाद के अतिरिक्त खिलाफत आंदोलन के नेता मौलाना शौकत अली भी थे जो लखनऊ कांग्रेस में हिन्दू-मुस्लिम एकता पर बल, असहयोग और खिलाफत आंदोलनों के मिलकर एक हो जाने के बाद के हालात में साथ-साथ दौरे पर निकले थे। मगर गांधी जी मोटर पर सवार होकर जुलूस के साथ चले तो देखा कि खिलाफत आंदोलन के अनुयायी हाथों में नंगी तलवारें लिए उनके स्वागत में खड़े हैं। सभास्थल पर पहुंच भारी जनसमूह से पहले तो उन्होंने हिंसा का रास्ता अपनाने के बजाय कष्ट सहकर आन्दोलन करने को कहा, फिर किसानों की हिंसा व तलवारधारियों के जुलूस की निन्दा की। गौरतलब है, उन्होंने देशवासियों को ये दो मंत्र देने के लिए उस अयोध्या को चुना जिसके राजा राम के राज्य की कल्पना साकार करने के लिए वे अपनी अंतिम सांस तक प्रयत्न करते रहे। रात में वे जहां ठहरे वहां ऐसी व्यवस्था की गई कि वे विश्राम करते रहें और उनका दर्शन चाहने वाले चुपचाप दर्शन करके जाते रहें। हजारों किसानों ने उस रात अपने मुक्तिदाता के सामने मूक क्षमायाचना की। सुबह सरयू स्नान के बाद गांधी जी अपने अगले पड़ाव की ओर बढ़ गये तो भी किसानों द्वारा हिंसा उनको सालती रही। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू से इन भटके किसानों को सही राह दिखाने को कहा था। बापू अयोध्या आये तो बाल गंगाधर तिलक का निधन हो चुका था और स्वाधीनता आन्दोलन को नये सिरे से संजोने की जिम्मेदारी उन पर थी। ऐसे में 10 फरवरी, 1921 को वाराणसी में काशी विद्यापीठ का शिलान्यास करके उसी दिन वे ट्रेन से फैजाबाद पहुंचे तो अयोध्या के साधुओं के बीच जाकर उनको आन्दोलन से जोड़ने को भी यात्रा के उद्देश्यों में शामिल कर रखा था। इस वक्त वे न सिर्फ खिलाफत आंदोलन को अपने ढंग के आन्दोलन में ढाल रहे थे बल्कि हिंदु-मुस्लिम एकता की राह में डाले जा रहे रोड़े भी बुहार रहे थे। इन रोड़ों में सबसे प्रमुख था गोहत्या का मसला, जिसे अंग्रेज लगातार साम्प्रदायिक रंग दे रहे थे। गांधी जी अयोध्या में इस मसले पर खुलकर बोले। उन्होंने गोहत्या के लिए अंग्रेजों को कठघरे में खड़ा कर गोरक्षा के लिए हिन्दू मुस्लिम एकता को अपरिहार्य बताया। ऐसा करते हुए उन्होंने जहां स्वतंत्रता संघर्ष के दूसरे पहलुओं की अनदेखी नहीं की, वहीं रामजन्मभूमि विवाद का कतई संज्ञान नहीं लिया। देर शाम फैजाबाद की सभा को सम्बोधित कर वे 11 फरवरी की सुबह अयोध्या के सरयूघाट पर पंडित चंदीराम की अध्यक्षता में हो रही साधुओं की सभा में पहुंचे। साधुओं को सम्बोधन में कहा, 'कहा जाता है कि भारतवर्ष में 56 लाख साधु हैं। ये सब बलिदान के लिए तैयार हो जायें तो अपने तप तथा प्रार्थना से भारत को स्वतंत्र करा सकते हैं। लेकिन ये अपने साधुत्व के पथ से हट गये हैं। इसी प्रकार से मौलवी भी भटक गये हैंज। मैं साधुओं से अपील करता हूं कि यदि वे गाय की रक्षा करना चाहते हैं तो खिलाफत के लिए जान दे दें।' अपने भाषण का समापन उन्होंने यह कहकर किया, 'संस्कृत के विद्यार्थी यहां आये हुए हैं। हर विद्यार्थी समझ ले कि अंग्रेजों से ज्ञान उपार्जन करना जहर का प्याला पीना है। ज्आप स्वदेशी हो जाइये। मैं आशा करता हूं कि यहां के साधुओं के पास जो कुछ है, उसका कुछ अंश वे मुझे दे देवेंगे ज स्वराज्य के लिए यह सहायक होगा।' इस भाषण का

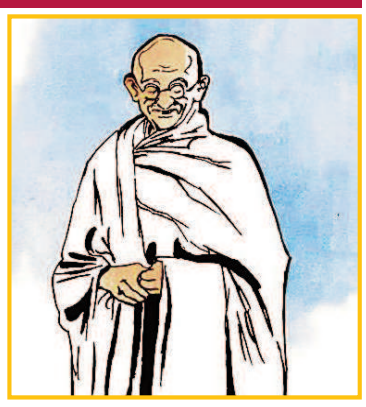

अंग्रेजी अनुवाद लखनऊ स्थित राजकीय अभिलेखागार में संरक्षित है। इस भाषण से पहले वे फैजाबाद की सभा में वे सत्याग्रह, अंग्रेज सरकार से शांतिपूर्वक असहयोग करने, विदेशी वस्त्रों को त्यागने, सरकारी सहायताप्राप्त विद्यालयों का बहिष्कार करने का आह्वान कर चुके थे। 1929 में वे अपने हरिजन फंड के लिए धन जुटाने के सिलसिले में एक बार फिर अपने राम की राजधानी आये। फैजाबाद शहर के मोतीबाग में सभा हुई। इस यात्रा में गांधी जी धीरेन्द्र भाई मजूमदार द्वारा अकबरपुर में स्थापित देश के पहले गांधी आश्रम भी गये थे। वहां 'पाप से घृणा करो पापी से नहीं' का संदेश दिया। आश्रम की सभा में उन्होंने लोगों से संगठित होने, विदेशी वस्त्रों के त्याग, शराबबंदी के प्रति समर्पित होने आदि को कहा। फिर तो अवध के उत्पाती किसानों ने भी हिंसा का रास्ता त्याग दिया।

विचार मंथन

सरकार, सरकारी अधिकारी, सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के मकडजाल में फंसी जनता

सुप्रीम कोर्ट के माननीय मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ न्यायमूर्ति जी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की खंड पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार के दो सचिवों को हिरासत में लेने का, इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला निरस्त कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है, न्यायिक प्रक्रिया के दौरान सरकारी अधिकारियों को मनमाने ढंग से समन करना संविधान की भावना के विपरीत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा की सरकारी अधिकारियों को हाईकोर्ट में तलब करने के नियम तय कर दिए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि अदालतों के लिए जारी मानक पर इस बात पर जोर है, कि वह सरकारी अधिकारियों को अपमानित करने से बचे। उनकी शैक्षिक पृष्ठभूमि, पहनावे और सामाजिक स्थिति पर टिप्पणी करने से परहेज करें। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा ,कि अधिकारियों को हाईकोर्ट केवल इसलिए तलब नहीं कर सकता है, कि उनके विचार अलग हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब आम जनता का भगवान ही मालिक है। सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट में हजारों अवमानना के प्रकरण दर्ज हैं। जिसमें हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश होने के बाद भी सरकार ने कोई कार्यवाही नहीं की। जो मामले हाईकोर्ट में चल रहे हैं सरकार उसमें लंबे समय तक अपना पक्ष भी नहीं रखती है। यदि यह कहा जाए, तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेशों का पालन राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और उसके अधिकारियों द्वारा नहीं किया जा रहा है। वर्षों तक हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों पर कार्यवाही नहीं होती है। जो न्यायालय की शरण में गए ।कई वर्षों तक मुकदमा लड़ा, हजारों लाखों रुपए खर्च किए। फैसला मिला लेकिन सरकार और उसके अधिकारियों ने उसका पालन नहीं किया। सरकार ने अधीनस्थ न्यायालय से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक तारीख पर तारीख की तरह, अपील पर अपील करते हुए, जब अदालत का फाइनल निर्णय आ भी जाता है। उसके बाद भी सरकार और उसके अधिकारी निर्णय का पालन करने के स्थान पर, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की नई-नई मीसंसा कर निर्णय का पालन नहीं करते हैं। संबंधित पक्षकार बार-बार अदालत में अवमानना याचिका दायर करता है। उसके बाद भी जब अधिकारी और सरकार हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का पालन नहीं करता है। तभी जाकर हाईकोर्ट, अमूमन अधिकारियों को बुलाती हैं। चेतावनी देती हैं, एक समय सीमा के अंदर निर्णय के पालन करने का हुकुम सुनाती हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद अब राज्य सरकारों, केंद्र सरकार और उसके अधिकारी न्यायालय के आदेशों को मान्य करेंगे? जिस निर्णय को वह अपने अनुकूल पाएंगे। उनका तो पालन हो जाएगा बाकी सरकार के कार्यालय में फाइलों के रूप में दर्ज रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले वर्षों में कई ऐसे आदेश जारी किए, जिनका पालन संबंधित विभाग संस्था या अधिकारियों द्वारा नहीं किया गया। कई मामलों में तो केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को नहीं मानने के लिए नए कानून ही बना दिए। ऐसी स्थिति में अब आम जनता के सामने एक ही विकल्प रह गया है, कि वह न्याय प्रक्रिया और संविधान पर जो विश्वास करती है। वह विश्वास करना बंद कर दे। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में जिस तरह के निर्णय दिए हैं, उसे निराशा बढ़ी है। यदि जांच एजेंसियां सही जांच कर रही होती, और वह निष्पक्षता के साथ काम करती ,तो लोगों को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की शरण में नहीं जाना पड़ता। जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट , जांच एजेंसियों और सरकार के ऊपर आंख बंद करके, भरोसा करते हुए यह मान लिया है, कि यह जो करेंगे वह सब ठीक है। हम सरकार और जांच एजेंसियों एवं संस्था प्रमुख के निर्णय पर हस्तक्षेप नहीं करेंगे। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका को संविधान ने जो शक्तियां दी हैं, उसका भी कोई मतलब नहीं रह जाएगा ।संविधान ने जो मौलिक अधिकार नागरिकों के लिए तय किए हैं। वह संविधान की किताब तक सीमित रह जाएंगे। जिस तरीके से जांच एजेंसियां मनमाने ढंग से काम कर रही हैं। आम आदमी की सुनवाई नहीं हो रही है। सरकार प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जो कहती है, वही जांच एजेंसियां और सरकारी अधिकारी काम कर रहे हैं ।जिससे आम नागरिक लगातार प्रताड़ित हो रहा है। हाल ही में हिट एंड रन कानून में संसद ने बिना बहस के कानून पास हो गया। लोकसभा और राज्यसभा की आसंदी ने अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया। सरकार ने बहुमत के आधार पर बिना चर्चा के कानून बना दिया। संसदीय एवं संवैधानिक नियमों का पालन नहीं किया गया। करोड़ों नागरिकों के ऊपर इस तरह के कानूनो का असर होता है। किसी प्रक्रिया का पालन ना तो सरकार कर रही है। नाही जांच एजेंसी कर रही है। सभी मनमाने तरीके से काम कर रहे हैं। हाईकोर्ट ,सुप्रीम कोर्ट यह सब देख भी रहे हैं, जान भी रहे हैं। इसके बाद भी बेबस बने हुए हैं। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की जिस तरह से अवहेलना की है। उसे सारा देश देख रहा है।

सर्दियों में कैसे बचाएं अपने दिल को

बदलते लाइफ स्टाइल के इस दौर में हार्टअटैक के मामले ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। पहले लोगों का ऐसा मानना था कि 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग ही इसकी चपेट में आते हैं, परन्तु अब ऐसा नहीं रह गया है। 30 से 40 साल के लोगों में भी इसका खतरा होता है। वैसे तो हार्ट अटैक कभी भी हो सकता है परन्तु जाड़े में ऐसे मरीजों का औसत दर ज्यादा बढ़ जाता है। इसका मुख्य कारण जाड़े में खून की नलियों का सिकुड़ना है। राजेंद्र आयुर्विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान , रांची के डॉक्टर संजय सिंह का कहना है कि जाड़े में खून की नलियां ज्यादा सिकुड़ती हैं। जब खून की नलियां सिकुड़ने लगेंगी तब रक्त का प्रवाह धीरे-धीरे कम होने लगेगा, जिससे हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है।

बचाव के उपाय - डॉक्टर संजय के अनुसार जब ठंड ज्यादा बढ़ जाए तो उससे बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सुबह टहलने वाले लोग मौसम के अनुकूल अपने समय में बदलाव करें। ज्यादा सुबह न निकलें। ज्यादा दूरी तक न टहलें। जो लोग ब्लडप्रेशर, हार्ट, शुगर आदि के मरीज हैं वे डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

खाने में क्या लें - मौसमी फल, सलाद एवं आंवले जरूर लें। सलाद में भी प्याज एवं टमाटर ज्यादा से ज्यादा लें।

लक्षण - जब अपने शरीर में अप्रत्याशित बदलाव महसूस करें। जैसे ज्यादा पसीना आना, घबराहट, चक्कर आना एवं सीने में दर्द महसूस होना। पेट खराब एवं उल्टी होना ठंड लगने के लक्षण हैं। जैसे ही इसका अहसास हो, डॉक्टर के पास तुरंत जाएं।

सर्दी-जुकाम-खासी को ऐसे दें शिकस्त

सर्दियों का मौसम आम तौर पर स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है, किंतु यदि आप कफ विकार से ग्रस्त है तो इससे आप सर्दियों के पूरे मौसम में जुकाम-खासी व सांस रोग से परेशान हो सकते हैं। प्रस्तुत हैं, इन तकलीफों से निजात पाने के उपाय

- ठडा पानी या ठडे पेय लेने के बजाय गुनगुना पानी पिएं। अदरक डालकर सब्जियों का सूप पिएं।
- तेज भूख लगने पर ही भोजन करे, क्योंकि कम भूख या भूख के बगैर भोजन लेने से हाजमा सही नहीं होगा और कफ बनेगा।
- गेहू के आटे में चौथाई या आधी मात्रा में चने का आटा मिलाकर रोटी बनाएं। यदि चावल खाना है, तो उसमें काली मिर्च, तेज पत्ता आदि गर्म मसाला मिलाएं।
- भोजन खूब चबाकर करें और भूख से थोड़ा कम खाएं।
- कब्ज न रहने दें। इसके लिए प्रात- गर्म पानी पीकर व्यायाम करने के बाद शौच जाएं।
- दिन में तीन से चार बार सरसों का या बादाम का तेल 4-5 बूंद नाक में डालकर कफ निकालें।
- नासिका क्षेत्र में मैग्नेट का साउथ पोल 5 मिनट तक घुमाने से साइनोसाइटिस में लाभ मिलता है।
- पीठ की ओर से गर्म पानी की थैली से सुबह शाम सेंक करने से फेफड़ों की सर्दी बहुत जल्दी दूर हो जाती है।

सावधानिया

- रात को बायीं करवट सोएं।
- कानों में ठडी हवा का झोंका न लगे, इसके लिये कान में रुई लगाए रखें।
- अगर आप जलनेति करते हैं, तो उसके बाद विरेचन प्राणायाम करे।
- खुले पैर घास में न टहले।
- ठंडे खाद्य व पेय पदार्थ ग्रहण न करें।

वेडिंग डाइट प्लान

फिट रहना हर किसी के लिए जरूरी है, लेकिन होने वाली दुल्हन के लिए अपनी सेहत और फिटनेस पर ध्यान देना अनिवार्य है। दौड़भाग, शादी की तैयारिया और तनाव के चलते डाइट पर कंट्रोल करना मुश्किल होता है। फोर्टिस हॉस्पिटल की चीफ डाइटीशियन किरण दलाल और क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट निधि सरीन बता रही हैं भावी दुल्हन अपनी डाइट का प्लान कैसे करे कि वजन नियंत्रित रहे....

आमतौर पर लड़कियों का वजन शादी से पहले तीन कारण से बढ़ता है- भागदौड़, तनाव और लगातार पार्टी। इसी तरह शादी के बाद वजन बढ़ने के तीन मुख्य कारण हैं- प्रेग्नेंसी, शादी के बाद परिवार, घर और अन्य जिम्मेदारियों में इतना व्यस्त हो जाना कि खानपान पर ध्यान न दे पाना, पति के साथ उनकी तरह ही पोर्शन लेना, जाने-अनजाने वे एक्स्ट्रा कैलोरी ले लेती हैं। एक बार फैट शरीर पर चढ़ने लगता है तो उसे रोकना काफी मुश्किल होता है। बेहतर होगा अगर पहले से ही खानपान की कुछ आदतों पर अमल किया जाए और डाइट प्लान बनाया जाए। अगर आप शादी से पहले और बाद में अतिरिक्त वजन को हटाना चाहती हैं तो यहा दी गई बातों पर गौर फरमाएं।

शादी से पहले

- अपने दिन की शुरुआत नींबू मिले गर्म पानी से करें। इसमें क्रश किए हुए पुदीने के पत्ते भी मिला सकती हैं।
- जब भूख लगे सूप या जूस पिएं।
- अगर आप कैलोरी में कटौती करना चाहती हैं तो सबसे पहले चीनी, आइसक्रीम, केक, पेस्ट्री और प्रोसेस्ड फूड को अपने आहार से हटाएं।
- रोजाना के हिसाब से अपना लक्ष्य बनाएं। प्रतिदिन आपको 1,600 कैलोरी मिलनी चाहिए, लेकिन इससे कम करने की कोशिश करें। यह ध्यान रखें कि दिनभर में आपको कम से कम तीन मील्स और दो स्नैक्स मसलन फल या रोस्टेड नट्स या फिर स्टीम्ड फर्मेंटेड फूड लेने हैं।
- दिन की शुरुआत के लिए ब्रेकफास्ट बहुत जरूरी है। इसमें मीठे से बचें। लो फैट मिल्क प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता दें। एक-दो सर्विंग मल्टीग्रेन सीरियल, स्प्राउट्स या बींस और कटे हुए फल लें। इससे आपको ब्रेकफास्ट से लगभग 300 कैलोरी मिलेगी। बाकी कैलोरी आपको लंच और डिनर से मिलनी चाहिए।
- लंच/डिनर में होलग्रेन सीरियल, दालें या ग्रिल्ड फिश या चिकेन के एक टुकड़े के साथ लो फैट प्रोबायोटिक दही, सलाद और एक बोल स्टीम्ड रंगीन सब्जिया लें।
- शादी से एक महीने पहले अचानक पांच किलो वजन घटाना भी ठीक नहीं है। अगर ऐसा चाहती हैं तो इसके लिए आपको शादी से छह महीने पहले अपने आहार पर ध्यान देना होगा। इसका सीधा असर आपके बाल और त्वचा पर पड़ेगा।
- अच्छी त्वचा के लिए गाजर, एप्रिकॉट, पीले और नारंगी रंग के फल व सब्जिया खाएं। पालक और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों को प्राथमिकता दें। टमाटर खाएं, उसमें लाइकोपीन पाया जाता है।
- अखरोट खाएं, इसमें ओमेगा फैटी एसिड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, जो बालों को चमकदार और त्वचा को बेहतर बनाता है।
- दिनभर में चार-पांच कप ग्रीन टी पिएं।
- इस दौरान अल्कोहॉल व धूम्रपान से दूर रहें।
- सैलेड, सूप और फलों का सेवन करने से फैटी एसिड मिलेगा, जिससे आपको एनर्जी भी मिलेगी।
- त्वचा में पानी की कमी न होने दें। दिनभर में पर्याप्त पेय पदार्थ जैसे जूस, सूप, पानी खूब पिएं।

शादी के बाद

- जो कुछ भी खाएं धीरे-धीरे और खुश होकर खाएं। टीवी के सामने या बात करते हुए न खाएं। धीमी गति से खाने से आपको जल्दी ही पेट भरा हुआ महसूस होगा।
- ब्रेकफस्ट एक साथ करें। जिसमें एक बाउल फ्रूट्स, मूसली या फिर ओटमील हो।
- लंच में हरी सब्जियों वाला सूप जरूर लें। नॉन वेजेटेरियन हैं तो प्रॉन्स को प्राथमिकता दें।
- उस समय कतई न खाएं, जब आप तनाव या गुस्से में हों।
- ब्लैक कॉफी, जंक फूड, चाय से जहा तक हो सके दूर रहें। रिफाइंड प्रोडक्ट से बचें।
- पार्टनर के साथ एक्सरसाइज जरूर करें। फिजिकल एक्टिविटी बढ़ाने से दिल की सेहत अच्छी रहती है। कोलेस्ट्रॉल और ब्लडप्रेशर नियंत्रित रहता है। डिनर के बाद रोजाना एक घटा टहलने का लक्ष्य बनाएं।
- एक-दूसरे के पोर्शन को मैच न करें, क्योंकि पुरुषों को दिनभर में अलग कैलोरी और स्त्रियों को भिन्न कैलोरी की जरूरत होती है। पुरुषों को स्त्रियों की अपेक्षा अधिक कैलोरी की जरूरत होती है।
- जो भी खाएं पौष्टिक हो, लेकिन खाने की मात्रा हमेशा ध्यान में रखें।
- सब कुछ खाएं, लेकिन सीमित मात्रा में ताकि आप फिट और स्वस्थ रहें। संतुलित डाइट लें। खाने पर नियंत्रण का यह मतलब नहीं कि आप एक्सरसाइज करना छोड़ दें। साथ-साथ वह भी जरूरी है।

डांस करके घटाइए वजन

डांस के दौरान हाथ-पैरों के साथ ही पूरे शरीर की एक्सरसाइज हो जाती है। डांस करने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बहुत तेज होता है,साथ ही शरीर की मांसपेशियों पर भी काफी खिंचाव पड़ता है,जो स्वस्थ बनाए रखता है। मोटापे से ग्रसित वे लोग, जिन्हें योगा और जिम जाना अच्छा नहीं लगता है,डांस के द्वारा मोटापे पर नियंत्रण पा सकते हैं। जी हां,डांस करने से मनोरंजन तो होता ही है,साथ ही इससे पूरे शरीर की कसरत भी हो जाती है। यह खुद को फिट रखने का सबसे अच्छा तरीका है। इससे शरीर के हर एक अंग की अच्छी कसरत हो जाती है। हर रोज डांस करने से पूरा शरीर स्वस्थ रहता है। डांस का दिमाग पर भी अनुकूल असर पड़ता है। इससे शरीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक बना रहता है। जो लोग थोड़ी देर तक ही सही लेकिन नियमित डांस करते हैं,उनको मोटापे की समस्या नहीं होती और वे स्वस्थ बने रहते हैं। डांस फ्लोर पर कम से कम पांच मिनट डांस करने मात्र से शरीर की तीस कैलोरी ऊर्जा बर्न हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि जो लोग कम उम्र में ही झांस करना शुरू कर देते हैं,उन्हें कम तनाव होता है और उनकी सेहत फिट बनी रहती है।

एलोवेरा बनेगा किडनी का सुरक्षा कवच

वनस्पतियों में छिपे औषधीय गुणधर्म हजारों साल से जीवन को संजीवनी देते रहे हैं, लेकिन उनके अनुसंधान पर परिणामी काम नहीं हुआ। अंग्रेजी दवाओं की भेंट चढ़ती जिंदगी में फिर से जान फूंकने के लिए चिकित्सा जगत आयुर्वेद की शरण में खड़ा हैं। लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज के फार्मोकोलोजी विभाग में गिलोय के बाद अब एलोवेरा पर चल रहे एक शोध में इसे किडनी रोगों पर अत्यंत लाभकारी पाया गया है। चरक संहिता में भी एलोवेरा को औषधीय गुणों से लवरेज बताया गया है, किंतु वैज्ञानिक शोध पर आधारित पुष्टि की कमी रही। फार्मोकोलोजी विभाग की एमडी की छात्रा डॉ. शालिनी वीरानी ने चूहों पर किए गए एक शोध में पाया कि एलोवेरा के सेवन से एक माह में उनकी किडनी पूरी तरह ठीक हो गई।

महंगी डायलिसिस से मिलेगी निजात

किडनी रोगियों की संख्या बढ़ने से चिकित्सा के समक्ष एक कठिन चुनौती है। एलोपैथिक में किडनी रोगियों को डायलिसिस पर रखा जाता है, जो महंगा होने के साथ-साथ साइड इफेक्ट भी करता है। एलोवेरा से किडनी रोगों में चमत्कारिक सुधार के संकेत से अब विभाग ट्रायल का दूसरा चरण शुरू करेगा। बाद में इसके पेटेंट के लिए आवेदन किया जाएगा।

मन को जोड़ें सांसों से

मन को काबू में करने का मतलब है अपनी अनियंत्रित विचारशैली को नियंत्रित करना। मन को सांसों से जोडिए। प्राणवायु से जुड़ते ही बेलगाम मन पर नियंत्रण करना आसान हो जाएगा। अपने विचारों को रोकने का प्रयास करें। विचार रूकते ही मन धीमा होगा, इसे फिर सांसों से जोड़ दें। मन का सांस से गहरा संबंध है। मन सारी इंद्रियों का स्वामी है और सांस मन का। इसलिए श्वास के नियंत्रण से हम चित्त को स्थिर करके आंतरिक शांति प्राप्त कर सकते हैं। जब भी बेचैनी हो, मन अशांत हो, तनाव हो, तो पद्मासन में बैठकर सांस भीतर खींचे, उसे थोड़ी देर भीतर ही रोकें, फिर धीरे-धीरे छोड़ दें। ऐसा प्रयोग दिन में दो-तीन बार करने से आप काफी सहज महसूस करेंगे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। इसी के साथ ही पिछले दो दिनों से जारी गिरावट पर अंकुश लग गया। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से बाजार ऊपर आया है। आज के कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में भी उछाला आया। बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 1.5 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1 फीसदी की बढ़त देखी गयी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 490.97 अंक करीब 0.69 फीसदी ऊपर आकर 71,847.57 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स आज 71,546.60 और 71,954.79 के बीच कारोबार करता रहा।वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी 141.25 अंक तकरीबन 0.66 फीसदी ऊपर आकर 21,658.60 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 21,564.55 और 21,685.65 के बीच रहा। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में गिरावट के बावजूद बाजार ने बढ़त हासिल की। बीएसई सेंसेक्स 300 अंक बढ़कर 71,650 पर और एनएसई निफ्टी 50 78 अंक बढ़कर 21,600 पर पहुंच गया। वैश्विक बाजारों के गिरावट के रुख के बीच भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई जिससे सेंसेक्स 500 से ज्यादा अंक फिसलकर बंद हुआ। आईटी के साथ-साथ वित्तीय कंपनियों के शेयर में बिकवाली और इंडेक्स में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट का भी बाजार पर असर पड़ा। दूसरी सबसे बड़ी हिस्सेदारी रखने वाला आईटी इंडेक्स 2.52 प्रतिशत गिर गया। यह 21 जुलाई, 2023 के बाद से इसकी सबसे बड़ी इंट्राडे गिरावट है।

वहीं एशिया बाजार में जापान में लंबे अंतराल के बाद व्यापार फिर से शुरू होने पर निक्केई में 2 प्रतिशत की गिरावट आई। अमेरिका में रातों-रात एसएंडपी 500 में 0.8 फीसदी की गिरावट आई, डॉव में 0.76 फीसदी की गिरावट आई और नैस्डैक में 1.18 फीसदी की गिरावट आई।

इंडिगो ने ईंधन शुल्क वसूलना किया बंद

नई दिल्ली । विमानन कंपनी इंडिगो ने विमान ईंधन की कीमतों में गिरावट आने के बाद गुरुवार से ईंधन शुल्क वसूलना बंद करने की घोषणा की है। एयरलाइन ने एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) की कीमतों में उछाल के बाद अक्टूबर 2023 की शुरुआत से ईंधन शुल्क वसूलना शुरू किया था। गुरुवार 04 जनवरी से इसे हटा दिया गया। विमानन कंपनी के अनुसार, हाल ही में एटीएफ की कीमतों में गिरावट के कारण ईंधन शुल्क वापस ले लिया गया है। इंडिगो की ओर से जारी एक बयान के अनुसार एटीएफ की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहता है इसलिए हम कीमतों या बाजार स्थितियों में किसी भी बदलाव से निपटने के लिए अपने किराए और उसके घटकों को समायोजित करना जारी रखेंगे। ईंधन शुल्क एयरलाइन की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लागू किया गया था।

जियो के अक्टूबर में ग्राहक बढ़े, वोडाफोन आइडिया ने खोए

नई दिल्ली । भारत के सबसे बड़े दूरसंचार संचालक रिलायंस जियो ने अक्टूबर 2023 में 31.59 लाख मोबाइल उपयोगकर्ता जोड़े, जबकि प्रतिद्वंद्वी भारती एयरटेल के ग्राहकों की संख्या में 3.52 लाख की बढ़ोतरी हुई है। ट्राई के मासिक ग्राहक आंकड़ों में यह बात सामने आई। वहीं संकटग्रस्त दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया को कोई राहत नहीं मिली। अक्टूबर में उसने 20.44 लाख वायरलेस ग्राहक खोए।आंकडों के अनुसार जियो के साथ अक्टूबर में 31.59 लाख नए उपयोगकर्ता जुड़ें और उसके कुल ग्राहकों की संख्या बढ़कर 45.23 करोड़ हो गई। सितंबर में उसके 44.92 करोड़ ग्राहक थे। सुनील मित्तल की अगुवाई वाली एयरटेल के ग्राहकों की संख्या में अक्टूबर में 3.52 लाख की बढ़ोतरी हुई और कुल ग्राहकों की संख्या 37.81 करोड़ हो गई। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों के अनुसार वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के ग्राहकों की संख्या अक्टूबर में घटकर 22.54 करोड़ हो गई। नकदी की कमी से सामना कर रही वीआईएल धन जुटाने की समस्या और ग्राहकों की लगातार घटती संख्या के संकट से जूझ रही है।

होंडा मोटरसाइकिल की बिक्री दिसंबर में 27 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया की बिक्री दिसंबर 2023 में 27 फीसदी बढ़कर 3,17,123 इकाई रही। एक साल पहले इसी महीने में कंपनी ने 2,50,171 वाहन बेचे थे। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने एक बयान में कहा कि घरेलू बिक्री पिछले महीने 22.71 फीसदी बढ़कर 2,86,101 इकाई रही, जबकि दिसंबर 2022 में यह बिक्री 2,33,151 इकाई थी। इसमें निर्यात 31,022 इकाई रहा जो एक साल पहले की अवधि में 17,020 इकाई था। बयान में कहा गया है कि वर्ष 2023 के दौरान कंपनी ने 43,84,559 वाहन बेचे।

पावर फाइनेंस ने गुजरात में बिजली परियोजनाओं के लिए किया समझौता

नई दिल्ली । गुजरात की उत्पादन, पारेषण तथा वितरण परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) ने राज्य सरकार के साथ एक समझौता किया है। कंपनी की ओर से जारी किए गए एक बयान के अनुसार पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) ने तीन जनवरी 2024 को गुजरात सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की उपस्थिति में पीएफसी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीएमडी) परमिंदर चोपड़ा और गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के प्रबंधन निदेशक जय प्रकाश शिवहरे ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। गांधीनगर में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन गुजरात उर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल), गुजरात राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (जीएसईसीएल), गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीईटीसीओ), दक्षिण गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (डीजीवीसीएल), मध्य गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (एमजीवीसीएल), पश्चिम गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) और उत्तर गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (यूजीवीसीएल) द्वारा शुरू की गईं विभिन्न परियोजनाओं को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गौतम अडानी ने बेटे को दी बडी जिम्मेदारी, बनाया एमडी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद अडानी ग्रुप की एक कंपनी ने अपने बोर्ड में बड़ा फेरबदल किया है। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड ने बताया कि गौतम अडानी को कार्यकारी अध्यक्ष, करण अडानी को एमडी और अश्वनी गुप्ता को सीईओ नियुक्त किया गया। अडानी पोर्ट्स ने यह भी कहा कि उसके बोर्ड ने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के माध्यम से 5,000 करोड़ रुपये तक के धन जुटाने को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने गौतम अडानी को 4 जनवरी 2024 से लेकर 30 जून, 2027 तक कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। करण अडानी को 4 जनवरी, 2024 से उनके वर्तमान कार्यकाल के अंत यानी 23 मई, 2027 तक एमडी बनाया है। कंपनी ने इसके साथ ही 4 जनवरी, 2024 से कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में अश्विनी गुप्ता की नियुक्ति की है। कंपनी ने फाइलिंग में बताया कि शेयर होल्डर्स की मंजूरी के बाद नियुक्ति संबंधी बाकी के फैसले लिए जाएंगे। वहीं सभी शर्तें अपरिवर्तित रखी गई हैं और कंपनी के निदेशक मंडल ने नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश के आधार पर यह बदलाव किया है।

नोएडा एयरपोर्ट को दिल्ली से सीधे जोड़ा जाएगा, 32 किमी की होगी लंबाई

ग्रेटर नोएडा।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जल्द ही कॉमर्शियल फ्लाइट उड़ान भरेगी। दिल्ली से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सीधी कनेक्टिविटी दी जाएगी। इसके लिए करीब 32 किमी का एक नया एक्सप्रेस वे बनाया जाएगा। ये एक्सप्रेस दिल्ली के कालिंदी कुंज से वाया नोएडा सेक्टर-150 होते हुए आगरा एक्सप्रेस को जोड़ेगा। दिल्ली में इसे मुंबई-बड़ौदा एक्सप्रेस वे से एक रोटरी के जरिए जोड़ा जा सकता है। प्राधिकरण की मंशा है इस एक्सप्रेस को नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएचएआई) बनाए। इसके लिए प्राधिकरण एनएचएआई के संपर्क में है। इसके बनने के दो बड़े फायदे हैं। पहला नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे से वाहनों का भार कम हो जाएगा। साथ ही पूर्वी दिल्ली के इलाकों की नोएडा एयरपोर्ट से सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी। समिति की ओर से हाल के दिनों में नए एक्सप्रेस के लिए सर्वे किया गया। ये सर्वे नोएडा के सेक्टर-94 यानी यमुना पुश्ता से लेकर सेक्टर-150 करीब 28 किमी तक का किया गया। यहां दो विकल्प दिए गए। पहला एक्सप्रेस वे समानांतर पुश्ता के साथ एक एक्सप्रेस वे बनाया जाए या फिर मौजूदा एक्सप्रेस वे के ऊपर एलिवेटेड एक्सप्रेस वे बनाएं। दरअसल, प्राधिकरण एनएचएआई से ही इसका निर्माण करवाना चाहता है। इसलिए पहले विकल्प पर ही काम होगा और इसे मुंबई बड़ौदा एक्सप्रेस से जोड़ा जाएगा।ट्रैफिक भार के अनुसार इसे छह लेन का बनाया जाएगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सीधी कनेक्टिविटी के लिए एक्सप्रेस के दोनों एंड पर दो रोटरी बनानी होंगी।

पहली मुंबई बड़ौदा एक्सप्रेस वे के लिए जिसे कालिंदी कुंज मेट्रो स्टेशन के आसपास बनाया जा सकता है क्योंकि ये एक्सप्रेस वे यहीं से होकर आगरा यमुना नहर के साथ फरीदाबाद में प्रवेश करेगा।

दूसरा सेक्टर-150 के पास जहां से इस एक्सप्रेस वे को क्लोवर लीफ के जरिए यमुना से जोड़ा जाएगा।

रेलवे सुरक्षा बल में सब-इंस्पेक्टर के 2,250 पद भरे जाएंगे

- कॉन्स्टेबल भर्ती के लिए नियमावली जारी

नई दिल्ली ।

रेलवे सुरक्षा बल में वर्ष 2024 में भर्ती के तहत कांस्टेबल और सबइंस्पेक्टर के कुल 2,250 पदों को भरा जाएगा, जिसमें से कांस्टेबल के 2,000 पद और सब इंस्पेक्टर के 250 पदों पर भर्तियां की जाएंगी। इस भर्ती की ओ धिकारी अे धिसूचना बोर्ड की वेबसाइट आरपीएफ डाट इंडिया रेलवे डॉट जीओवीडाटइन पर जल्द ही जारी किया जाएगा. जो उम्मीदवार इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, उनसे अनुरोध है कि वे आरपीएफ कांस्टेबल और एसआई पदों के लिए जारी किए जाने वाले नोटिफिकेशन पीडीएफ को अच्छी तरह से पढ़ लें और उसके बाद ही आवेदन करें। भर्ती के लिए 3 चरणों वाली चयन प्रक्रिया का आयोजन किया जाएगा। पहले चरण में कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) का आयोजन आरआरबी द्वारा किया जाएगा। दूसरे चरण में शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी), शारीरिक मानक परीक्षा (पीएसटी) और आखिरी चरण में दस्तावेजों का परीक्षण रेलवे सुरक्षा बल द्वारा किया जाएगा। रेल मंत्रालय द्वारा 2 जनवरी 2024 को जारी अधिसूचना के अनुसार कॉन्स्टेबल पदों के लिए मान्यता प्राप्त बोर्ड से मैट्रिक (10वीं) उत्तीर्ण तथा एसआइ के लिए स्नातक कर चुके उम्मीदवार आवेदन कर सकेंगे।

कॉन्स्टेबल (एग्जीक्यूटिव) और सब-इंस्पेक्टर (एग्जीक्यूटिव) दोनों ही पदों के लिए अधिकतम आयु सीमा 25 वर्ष रखी गई है। आयु की गणना अधिसूचना जारी होने के वर्ष में 1 जुलाई से की जाएगी। हालांकि, अधिकतम आयु सीमा में आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों को केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार छूट दी जाएगी। शैक्षिक योग्यता तथा आयु सीमा के साथ-साथ उम्मीदवारों को निर्धारिक शारीरिक मानकों को भी पूरा करना होगा। पुरुष उम्मीदवारों की ऊंचाई न्यूनतम 165 सेमी और महिलाओं की 157 सेमी होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त सिर्फ पुरुष उम्मीदवारों की चेस्ट कम से कम 80 सेमी होनी चाहिए और फुलाव के साथ न्यूनतम 85 सेमी होनी चाहिए।

सेबी ऐसी व्यवस्था करे कि संदिग्ध संस्थाएं कारोबार जगत को निशाना न बना पाएं

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट का फैसला यह रेखांकित कर रहा है कि सेबी और सरकार को ऐसी व्यवस्था करनी होगी, जिससे संदिग्ध इरादों वाली हिंडनबर्ग और ओसीसीआरपी जैसी संस्थाएं भविष्य में देश के कारोबार जगत को निशाना न बना पाएं। एक वर्ष पहले जब अमेरिकी शार्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने यह आरोप लगाया था कि अदाणी समूह अपने शेयरों में हेराफेरी कर रहा है तो उससे केवल इस समूह को ही नुकसान नहीं पहुंचा था बल्कि भारतीय निवेशकों के अच्छे-खासे पैसे भी डूब गए थे। इसके अतिरिक्त अदाणी समूह के प्रमुख गौतम अदाणी अमीरों की सूची में तीसरे नंबर से खिसककर 25वें नंबर पर पहुंच गए थे। अदाणी-हिंडनबर्ग प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने यह कह कर कांग्रेस और साथ ही उन तत्वों को बड़ा झटका दिया है, जो इस मामले को लेकर अदाणी समूह के साथ केंद्र सरकार को भी घेरने में लगे हुए थे कि सेबी की जांच में कोई खामी नहीं है और विशेष जांच दल गठित करने की कोई आवश्यकता नहीं। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी भी महत्वपूर्ण है कि ऐसी जनहित याचिकाएं स्वीकार नहीं की जा सकतीं, जिनमें पर्याप्त शोध की कमी हो और जो अप्रमाणित रिपोर्टों को सच मानती हों।

जुकरबर्ग ने मेटा के आधा अरब डॉलर के शेयर बेचे

नई दिल्ली ।

मार्क जुकरबर्ग ने 2023 के आखिर दो महीनों में मेटा प्लेटफॉर्म्स के लगभग आधा अरब डॉलर के शेयरों की बिक्री की। इस दौरान कंपनी के शेयर की कीमत सात साल में सबसे कम हो गई। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार मेटा के मुख्य कार्यकारी ने 1 नवंबर से साल के आखिर के बीच हर कारोबारी सत्र के दौरान शेयरों की बिक्री की, इस दौरान लगभग 42.8 करोड़ डॉलर में करीब 1.28 मिलियन शेयर बेचे गए। औसतन प्रत्येक बिक्री में 10.4 मिलियन डॉलर के शेयर बिके, जिसमें 28 दिसंबर को सबसे अधिक 17.1 मिलियन डॉलर के शेयर बेचे गए। इससे पहले जुकरबर्ग ने नवंबर 2021 से मेटा के शेयर नहीं बेचे थे। कंपनी के शेयर की कीमत 2022 के ओ खिर में सात साल के निचले स्तर से पिछले साल 194 फीसदी बढ़ी थी। मेटा शेयरों ने पिछले साल एनवीडिया कॉर्प को छोड़कर हर अन्य प्रमुख तकनीकी दिग्गज से बेहतर प्रदर्शन किया और अब यह सितंबर 2021 के रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार 39 वर्षीय जुकरबर्ग मेटा के लगभग 13 फीसदी शेयरों के मालिक हैं और उनकी कुल संपत्ति लगभग 125 बिलियन डॉलर है, जिससे वह दुनिया के सातवें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। जुकरबर्ग की ओर से मेटा के शेयरों की बिक्री पर टिप्पणी के अनुरोध का कंपनी की ओर से जवाब नहीं दिया। टेक जगत में जुकरबर्ग के समकक्ष मार्क बेनिओफ ने भी 2023 की दूसरी छमाही में लगभग हर दिन शेयर बेचे। सेल्सफोर्स के सह-संस्थापक ने इस अवधि के दौरान 475 मिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के शेयर बेचे। इस दौरान हर दिन लगभग 15,000 शेयर बेचे गए जिनका मुल्य लगभग 3 मिलियन डॉलर था।

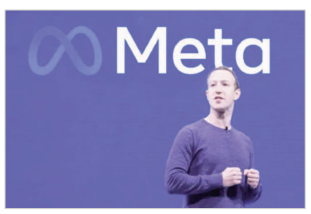

लोकसभा चुनाव से पहले भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगाः गोयल

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा और 2 से 2.5 साल में यह 5 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी का आंकड़ा छू लेगा।

गोयल ने राष्ट्रीय राजधानी में आत्मनिर्भर भारत उत्सव के शुभारंभ पर कहा कि अनुमान के अनुसार भारत 2027 तक दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी होगी। लोकसभा चुनाव इस साल अप्रैल-मई के आसपास होने की संभावना है। मंत्री ने जीडीपी के लिए पूर्वानुमान बढ़ाया है, क्योंकि अब तक के आधिकारिक अनुमानों के अनुसार 31 अप्रैल, 2024 को समाप्त होने वाले चालू वित्तवर्ष के पूरा होने पर अर्थव्यवस्था 3.7 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को छूने की उम्मीद है। 2028 तक देशों के जीडीपी अनुमानों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का विश्व आर्थिक आउटलुक डेटा 2026 में भारत की जीडीपी 4.95 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान लगाता है।

भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है और चालू वित्तवर्ष 24 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत की मजबूत विकास दर दर्ज की है।

इसने आईएमएफ और आरबीआई को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को बढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया है। गोयल ने यह भी कहा कि आत्मनिर्भर भारत का मतलब यह नहीं है कि भारत आयात विरोधी है। हम अपना निर्यात बढ़ाएंगे और इसके लिए अगर हमें कुछ उत्पादों का आयात करने की जरूरत होगी, तो हम ऐसा करेंगे।

वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में आईटी सेक्टर में आ सकती है नरमी

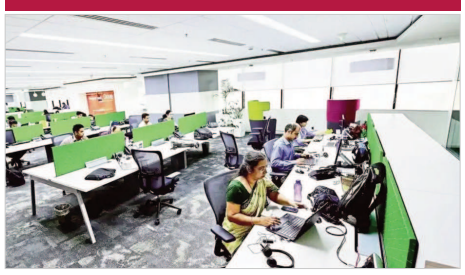

नई दिल्ली ।

मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही अक्टूबर से दिसंबर के दौरान खर्चों पर सख्ती और कुछ मामलों में छुट्टियों के कारण आईटी सेक्टर में नरमी देखी जा सकती है। बाजार की करीबी नजर मांग परिदृश्य और ग्राहकों के बजट पर टिकी हुई है मगर जेनरेटिव एआई की बढ़ती लोकप्रियता पर भी नजर रखी जाएगी। खास तौर पर ऐसे समय में जब ऐक्सेंचर ने अपने तिमाही नतीजों में ऐसे काम पर अच्छा रुझान बताया।

विश्लेषकों को उम्मीद है कि टीसीएस, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, विप्रो और एलटीआई माइंडट्री जैसी लार्ज-कैप आईटी सेवा कंपनियों की राजस्व वृद्धि में 1.5 फीसदी की कमी से लेकर 4.6 फीसदी के बीच वृद्धि रह सकती है। अधिकतर विश्लेषकों को लगता है कि इस तिमाही में मिड-कैप कंपनियों का प्रदर्शन लार्ज-कैप कंपनियों की तुलना में बेहतर रहेगा।

नोमुरा ग्लोबल मार्केट रिसर्च के एक नोट में कहा गया है, तकनीक का अधिक इस्तेमाल करने वाले उद्योगों में लागत का दबाव बढ़ेगा और ग्राहकों की बदलती प्राथमिकता में तेजी दिखेगी। नतीजतन लघु अवधि में ग्राहकों के आईटी बजट में स्वचालन और लागत घटाने पर जोर दिखेगा और मध्यावधि में भारतीय आईटी सेवा कंपनियों के लिए विदेश में काम बढ़ेगा। छुट्टियों की लंबी अवधि के कारण परिचालन मार्जिन पर दबाव बरकरार रहेगा। इन्फोसिस और विप्रो के मामले में वेतन वृद्धि के कारण मार्जिन प्रभावित हो सकता है।

सोना और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

बुधवार को बडी गिरावट के बाद गुरुवार को सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बुधवार को सोना मामूली तेजी के साथ खुलने के बाद करीब 750 रुपये की गिरावट के साथ बंद हुआ था। चांदी के वायदा भाव भी करीब 1,600 रुपये गिरे थे। वहीं गुरुवार को सोना शुरुआत में 62,700 रुपये और चांदी 72,350 रुपये के करीब कारोबार कर रही थी। वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 217 रुपये की तेजी के साथ 62,724 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 193 रुपये की तेजी के साथ 62,700 रुपये पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 90 रुपये की तेजी के साथ 72,423 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रेक्ट 38 रुपये की तेजी के साथ 72,371 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,049.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,042.80 डॉलर था। फिलहाल यह 8.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,051.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.19 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 23.15 डॉलर था।` फिलहाल यह 0.01 डॉलर की मामूली तेजी के साथ 23.16 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टेस्ट में सात विकेट से हराकर सीरीज में बराबरी की

- प्लेयर ऑफ मैच- सिराज

- प्लेयर ऑफ सीरीज - बुमराह, एल्गर

केपटाउन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। सीरीज का पहला मैच दक्षिण अफ्रीका ने जीता था। भारतीय टीम ने जीत के लिए मिले 79 रनों के लक्ष्य को तीन विकेट पर ही हासिल कर लिया। इस मैच में गेंदबाज हावी रहे। पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका की टीम को 55 रन पर ही समेटने के बाद भारतीय टीम भी 153 रन पर आउट हो गई थी। इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी में 98 रनों की बढ़त मिली थी। दूसरी पारी में एडम मर्करम के शतक से दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 176 रन बनाये। मर्करम ने शानदार बल्लेबाजी कर 103 रन बनाये पर वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पाये। इस प्रकार भारतीय टीम को जीत के लिए 79 रन का लक्ष्य मिला। भारतीय टीम ने इस छोटे लक्ष्य को दूसरे दिन 3 विकेट खोकर ही हासिल कर लिया।

इस प्रकार 30 साल में भारतीय टीम ने पहली बार केपटाउन के मैदान पर कोई टेस्ट जीता है। भारत ने जीत के साथ इस सीरीज को 1-1 से बराबरी पर समाप्त किया। इस मैच में मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी की।

भारत ने केवल 2 दिन के अंदर मेजबान टीम को हराकर अपनी क्षमता दिखायी। इस मैच में टॉस जीतकर डीन एल्गर ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। सिराज ने महज 15 रन देकर 6 विकेट लिए और पूरी टीम पहली पार में 55 रन के स्कोर पर आउट हो गयी। पहली पारी में भारतीय टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा था। पूरी टीम मिलकर 153 रन ही बना सकी थी। रोहित शर्मा, शुभमन गिल और विराट कोहली के अलावा कोई बल्लेबाज खाता नहीं खोल पाया।

दूसरी इनिंग में मेजबान बुमराह की घातक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पाये। बुमराह ने छह विकेट लेकर टीम के बड़े स्कोर की उम्मीद समाप्त कर दी। एक छोर पर अनुभवी मर्करम डटे रहे और शानदार शतकीय पारी खेली। इसके बाद भी मेजबान टीम भारत के सामने महज 79 रन का लक्ष्य ही रखने में कामयाब हो पाय। उनके अलावा कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल पाया।

30 साल में पहली बार इस मैदान पर जीता टेस्ट

भारतीय टीम ने 30 साल में केपटाउन में पहला टेस्ट जीता है। इससे पहले केपटाउन में कुल 6 मुकाबले हुए थे। जिसमें भारत ने 4 गंवाए थे और 2 ड्रॉ हुए थे। केपटाउन में भारत ने पहला टेस्ट 1993 में खेला था। चार मैचों की टेस्ट सीरीज में चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा था। इसके बाद 2011 में भी केपटाउन में हुआ तीसरा टेस्ट ड्रॉ हुआ था। इस मैदान पर भारतीय टीम ने पहली बार दक्षिण अफ्रीका को टेस्ट में हराया है।

इस मैच में जीत के लिए भारतीय टीम को पांच सत्र और 642 गेंदें ही खेलनी पड़ीं। इस प्रकार यह टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में खेला गया सबसे छोटा मैच रहा। इससे पहले, 1932 में मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए टेस्ट में केवल 656 गेंदें फेंकी गईं थी।

दीपा ने जिम्नास्टिक नेशनल चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया

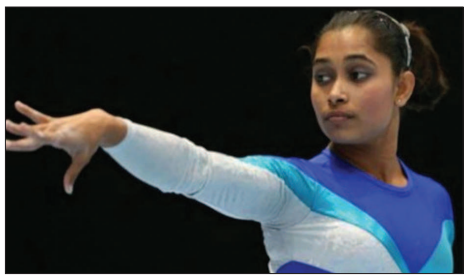

- महिला वर्ग में रेलवे की टीम जीती

भुवनेश्वर (एजेंसी)। दीपा कर्माकर ने शानदार वापसी करते हुए सीनियर आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक नेशनल चैंपियनशिप में नंबर एक स्थान हासिल किया है। ओलंपियन दीपा ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए कुल 49.55 अंकों के साथ ही शीर्ष पर रहीं। इस चैम्पियनशिप में दीपा त्रिपुरा का प्रतिनिधित्व कर रहीं थीं। उन्होंने वॉल्ट पर 13.40, अनइवन बार्स पर 10.65, बैलेंस बीम पर 13.10 और फ्लोर एक्सरसाइज पर 12.40 रिकॉर्ड अंक हासिल किये। रेलवे की प्रणति दास 47.00 और स्वास्तिका गांगुली 45.30 अंक लेकर ऑल-अराउंड में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। ऑल-अराउंड श्रेणी में शीर्ष पर रही दीपा ने कहा, मैं आठ साल बाद सीनियर नेशनल में उतर रही हूं, मुझे इससे बहुत अच्छा लग रहा है, और मैं अपने इस प्रदर्शन से वास्तव में खुश हूं। मैं आगे भी अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास कोशिश। उन्होंने कहा, यहां जिमनास्टिक सेंटर देखकर काफी अच्छा है और मुझे भरोसा है कि यहां से बहुत सारे ओलंपिक और एशियाई खेलों के जिमनास्ट तैयार करेगा। वहीं महिला टीम वर्ग में रेलवे की टीम ने 182.60 अंकों के साथ जीत दर्ज की। महाराष्ट्र की टीम 169.95 अंकों के साथ दूसरे जबकि पश्चिम बंगाल 166.80 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही। इसके अलावा मेजबान ओडिशा की टीम को 164.65 अंकों के साथ चौथा स्थान मिला।

ऑस्ट्रेलिया-पाक मैच में बारिश बनी बाधा

सिडनी (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के 34 रनों की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने यहां पाकिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 116 रन बनाए। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय मार्नस लाबुशेन 23 और

स्टीव स्मिथ 6 रन पर खेल रहे थे। दूसरे दिन खराब रोशनी और बारिश के कारण मैच तय समय से पहले ही समाप्त हो गया और केवल 46 ओवर ही फेंके जा सके। पाक ने इस मैच में पहली पारी में 313 रन बनाए थे। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी भी उससे 197 रनों से पीछे है। दूसरे सत्र में खराब रोशनी के कारण भी खेल में बाधा आई।

वहीं अपना 112वां और विदायी टेस्ट मैच खेल रहे वार्नर आगा सलमान की गेंद पर बाबर आजम के हाथों कैच हुए। अब वार्नर के पास दूसरी पारी में भी अवसर हैं। वार्नर को इस मैच में एक जीवनदान मिला पर उसका वह लाभ नहीं उठा पाये। जब वह 20 रन पर खेल रहे थे तब स्लिप में सैम अयूब ने उनका कैच छोड़ा था। वार्नर ने सुबह 6 रन से से आगे खेलते हुए अच्छे शॉट लगाये थे और दर्शकों को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी।इसके बाद दूसरे सत्र में सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने 47 रन बनाकर पारी को आगे बढ़ाया। ऑस्ट्रेलिया ने लंच तक एक विकेट पर 78 रन बनाए थे।

टी20 विश्व कप 2024: भारत-पाकिस्तान मैच की तारीख आई सामने, पहला मुकाबला आयरलैंड से !

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत टी20 विश्व कप 2024 के दौरान 9 जून को न्यूयॉर्क में पाकिस्तान से भिड़ेगा और अपने कट्टर प्रतिद्वंदी के खिलाफ मैच से चार दिन पहले अपने अभियान की शुरुआत में आयरलैंड से खेलेगा। सूत्रों के अनुसार, भारतीय टीम, जो अपने दूसरे टी20 विश्व कप खिताब की तलाश में है, क्वालिफाई होने पर अपने ग्रुप मैच ग्रुएसए में और सुपर 8 मैच वेस्ट इंडीज में खेल सकती है। भारत अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए 5 जून को न्यूयॉर्क में आयरिश टीम से भिड़ेगा।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद, भारत अपने अंतिम ग्रुप स्टेज गेम में कनाडा का सामना करने के लिए फ्लोरिडा जाने से पहले 12 जून को न्यूयॉर्क में संयुक्त राज्य अमेरिका का सामना करेगा। 15 जून को भारत बनाम कनाडा का मुकाबला हो सकता है। अगर भारत सुपर 8 चरण के लिए क्वालीफाई करता है, तो उनका पहला मैच 20 जून को बारबाडोस में होगा। उम्मीद है कि भारतीय टीम अपने सभी सुपर 8 मैच वेस्टइंडीज में खेलेगी। सूत्रों के मुताबिक टूर्नामेंट का फाइनल 29 जून को उसी स्थान पर खेले जाने की उम्मीद है

हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय स्टार रोहित शर्मा और विराट कोहली टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं। रोहित और कोहली दोनों ने नवंबर 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के बाद से भारत के लिए सबसे छोटे प्रारूप में नहीं खेला है। इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि टी20 विश्व कप 2024 को ध्यान में रखते हुए आईपीएल के दौरान कुल 30 खिलाड़ियों पर नजर रखी जाएगी।

वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगभग 30 खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजर रखी जाएगी। अभी यह देखना होगा कि अगरकर और उनके साथी 11 जनवरी से मोहाली में होने वाली श्रृंखला के लिए रोहित और कोहली का चयन करते हैं या नहीं या फिर आईपीएल के दौरान ही उनकी फॉर्म और फिटनेस पर नजर रखी जाएगी।

टी20 विश्वकप में अमेरिकी टीम की ओर से खेलेंगे उन्मुक्त ?

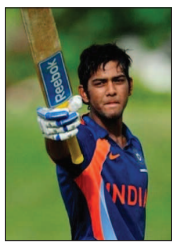

नई दिल्ली । भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान रहे उन्मुक्त को लंबे इंतजार के बाद भी भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद उन्मुक्त 28 साल की उम्र में ही संन्यास लेकर अमेरिकी लीग खेलने चले गये थे। अब माना जा रहा है कि अगले साल अमेरिका में होने वाले टी20 विश्वकप में वह अमेरिकी टीम की ओर से खेल सकते हैं। उन्मुक्त ने कुछ समय पहले कहा था 'मैं अमेरिकी क्रिकेट की दीर्घकालिक प्रगति का हिस्सा बना और अपने क्रिकेट करियर में नया कदम उठाया है। मेजर लीग क्रिकेट के शुरू होने की मुझे खुशी है। माइनर लीग क्रिकेट में स्ट्राइकर्स की ओर से खेलने का मौका मिलने से मैं उत्साहित हूं।' जिस प्रकार से उन्मुक्त चंद ने अमेरिका क्रिकेट में अपने कदम रखे हैं, ऐसे में इस बड़े टूर्नामेंट में इस टीम की तरफ से खेल सकते हैं. उन्मुक्त ने साल 2012 में भारतीय अंडर-19 टीम को विश्व कप में जीत दिलाई थी। उस दौरान भारत की राष्ट्रीय टीम में वीरेंद्र सहवाग, गौतम गंभीर और शिखर धवन जैसे दिग्गज खिलाड़ी थे। ऐसे में इस युवा को अवसर नहीं मिल पाया। इसके बाद उन्होंने काफी समय तक घरेलू क्रिकेट में खेला पर जब उन्हें लगा की अब भारतीय टीम में जगह नहीं मिलेगी तो वह देश से बाहर चले गये।

विराट ने एल्गर को दी यादगार विदायी

केपटाउन । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने मेजबान दक्षिण के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में आखरी खेलभावना से प्रशंसकों का दिल जीत लिया। इस मैच में विराट ने अपना अंतिम टेस्ट खेल रहे दक्षिण अफ्रीका के डीन एल्गर को झुककर एक यादगार विदायी दी। दूसरी पारी में जब मुकेश की गेंद पर एल्गर का विकेट गिरा तो विराट ने जश्न नहीं मनाया और अन्य खिलाड़ियों को भी जश्न न मनाने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने अन्य खिलाड़ियों से भी एल्गर को विदाई देने को कहा। जिसके बाद टीम के अन्य खिलाड़ियों ने भी एल्गर को झुककर बधाई दी। विराट इसके बाद एल्गर से गले मिले। इसका एक वीडियो वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर आ रहा है। वहीं अपने आखिरी टेस्ट में एल्गर बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाये। वह पहली पारी में 4 रन जबकि दूसरी पारी में केवल 12 ही बना पाये। एल्गर ने हालांकि इस सीरीज के पहले टेस्ट में शतक लगाया था। इस मैच में नियमित कप्तान टैंबू बाउमा के घायल होने के कारण् बाहर होने से टीम की कप्तान एल्गर के पास थी।

एमबापे ने फिर गोल दागा, पेरिस सेंट जर्मेन ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती

पेरिस (एजेंसी)। किलियन एमबापे और ली कांग के गोल की मदद से फ्रेंच लीग चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रेंच कप विजेता टूलूज़ को 2-0 से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता।

ली ने तीसरे मिनट में ही ओसुमाने डेम्बले की मदद से गोल करके पीएसजी को बढ़त दिला दी थी। टूलूज़ के पास 18वें मिनट में बराबरी का गोल करने का मौका था लेकिन गेब्रियल सुआजो गोल करने से चूक गए। एमबापे ने 44वें मिनट में गोल करके पीएसजी की जीत सुनिश्चित की। यह उनका इस सत्र में 23 मैच में 22वां गोल था। वह 2017 में पीएसजी से जुड़ने के बाद इस क्लब के लिए 234 गोल कर चुके हैं जो एक रिकॉर्ड है।

एएफसी एशियन कप 12 जनवरी से, भारतीय टीम का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होगा

नई दिल्ली । स्टार खिलाड़ी सुनील छेत्री की कप्तानी में भारतीय टीम इसी माह होने वाले एएफसी एशियन कप में उतरेगी। एएफसी एशियन कप कतर में 12 जनवरी से 10 फरवरी तक होगा। इस टूर्नामेंट के लिए 26 सदस्यीय दल में गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू और डिफेंडर संदेश झिंगन भी शामिल किये गये हैं। इसमें भारतीय टीम को ग्रुप बी में रखा गया है। भारत का पहला मैच 13 जनवरी को ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारतीय फुटबॉल टीम पांचवीं बार इस टूर्नामेंट में खेलेगी। इससे पहले टीम 1964,1984, 2011 और 2019 में इसमें भाग लिया था। साल 1964 में ही भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी। अन्य तीन सत्र में उसे ग्रुप स्तर पर ही हार का सामना करना पड़ा था। एशियन कप में भारत को अपने ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया के अलावा उज्बेक्तिान और सीरिया से खेलना होगा। भारत का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 13 जनवरी, दूसरा मुकाबला उज्बेकिस्तान के खिलाफ 18 जनवरी और सीरिया के खिलाफ तीसरा मुकाबला 23 जनवरी को होगा।

जोकोविच कलाई की चोट से परेशान, सर्बिया को हराकर ऑस्ट्रेलिया क्वार्टर फाइनल में

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच का कलाई की चोट के कारण संघर्ष जारी है, जिसका फायदा उठाकर ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार को यहां सर्बिया को 3-0 से हराकर यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस बीच पोलैंड ने चीन को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि फ्रांस ने इटली और यूनान ने कनाडा को हराकर अंतिम 8 में जगह बनाई।

जोकोविच चेक गणराज्य के खिलाफ पिछले मैच में भी कलाई की चोट से परेशान रहे थे लेकिन तब भी उन्होंने जिरी लेचका को हराया था। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी को हालांकि अलेक्स डि मिनौर के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी ने यह मैच 6-4, 6-4 से जीता। इसके बाद अजला टोमलजानोविच ने नतालिया स्टवानोविच के खिलाफ 6-1, 6-1 से जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलिया को 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई। मैथ्यू एब्डेन और स्टॉर्म हंटर ने मिश्रित युगल में देजाना रैडानोविच और निकोला कैसिक को 6-3, 6-3 से हराया, जिससे आस्ट्रेलिया क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

इससे पहले पोलैंड और चीन के बीच खेले गए मैच में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने दुनिया की 14वें नंबर की खिलाड़ी झेंग किनवेन को महिला एकल में 6-2, 6-3 से हराया। वहीं हुबर्ट हुरकाज ने झांग झिंजेन को पुरूष एकल में 6-3, 6-4 से मात दी। मिश्रित युगल में कैटरीना पीटर और जान जीलिंस्की ने याउ शियाओदी और सुन फाजिंग को 6-3, 5-7, 10-7 से हराया। पोलैंड की टीम अब सिडनी में सेमीफाइनल खेलेगी जहां उसका सामना फ्रांस और नॉर्वे के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

पूर्व फॉर्मूला वन रेसर विल्सन फिटिपाल्डी को जन्मदिन पर पड़ा दिल का दौरा

ब्रासीलिया । ब्राजील के पूर्व फॉर्मूला वन ड्राइवर और फॉर्मूला वन टीम के मालिक विल्सन फिटिपाल्डी जूनियर को क्रिसमस के दिन उनके 80वें जन्मदिन की डिनर पार्टी के दौरान दिल का दौरा पड़ा।

ब्राजील के खेल समाचार आउटलेट ग्रांडे प्रेमियो ने बुधवार को यह जानकारी दी। ब्राजील के दो बार के फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियन इमर्सन फिटिपाल्डी के भाई विल्सन ने क्रिसमस दिवस पर अपना 80वां जन्मदिन मनाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि रात के खाने के दौरान, मांस के एक टुकड़े से उनका दम घुट गया और लंबे समय तक उन्हें ऑक्सीजन नहीं मिली, जिसके बाद उन्हें 'कार्डियक अरेस्ट' हुआ। पूर्व ड्राइवर को साओ पाओलो अस्पताल में कृत्रिम सांस दी गई और बाद में श्वासनली इंटूबेशन की आवश्यकता पड़ी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब उनकी हालत स्थिर है, लेकिन डॉक्टर उन्हें बेहोशी से नहीं हटा पा रहे हैं। विल्सन फिटिपाल्डी जूनियर ने 1972-1973 और 1975 तक 38वीं विश्व चैंपियनशिप फॉर्मूला वन ग्रां प्री में भाग लिया और कुल तीन चैंपियनशिप अंक हासिल किए।

अगले हफ्ते निलंबन को चुनौती देगा डब्ल्यूएफआई, 16 जनवरी को कार्यकारी समिति की बैठक बुलाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) खेल मंत्रालय द्वारा लगाए निलंबन को अगले हफ्ते अदालत में चुनौती देगा और आगे की रणनीति पर चर्चा के लिए उसने 16 जनवरी को यहां कार्यकारी समिति की बैठक भी बुलाई है। सरकार ने राष्ट्रीय खेल संहिता और डब्ल्यूएफआई संविधान के उल्लंघन का हवाला देते हुए 24 दिसंबर को नवनिर्वाचित संस्था को महासंघ के चुनाव के तीन दिन बाद निलंबित कर दिया था।

डब्ल्यूएफआई कह चुका है कि वह न तो निलंबन को स्वीकार करता है और न ही कुश्ती का कामकाज देखने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा गठित तदर्थ पैनल को मान्यता देता है। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा, 'हमें सुचारू रूप से काम करने वाले महासंघ की जरूरत है। हम इस मामले को अगले हफ्ते अदालत में ले जा रहे हैं। हमें यह निलंबन स्वीकार्य नहीं है क्योंकि हमारा चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से हुआ था। हमने 16 जनवरी को कार्यकारी समिति की बैठक भी बुलाई है।'

वाराणसी के संजय सिंह ने बताया कि तदर्थ पैनल मुश्किल की घड़ी में काम करने के लिए किस तरह ठीक नहीं था। उन्होंने कहा, 'आपने देखा होगा कि जगरेब ओपन के लिए किस तरह टीम की घोषणा की गई थी। पांच वजन वर्गों में प्रतिनिधित्व ही नहीं था। उचित महासंघ के बिना ऐसा ही होगा। अगर कुछ पहलवान अपने संबंधित वर्ग में उपलब्ध नहीं थे तो उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को क्यों नहीं लिया गया?'

संजय सिंह ने कहा, 'जब महासंघ काम कर रहा था तो कभी भी किसी भी टूर्नामेंट में ऐसा कोई भी वजन वर्ग नहीं रहा जिसमें भारत ने प्रतिनिधित्व नहीं किया हो। और एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाली उसी टीम को चुनने के पीछे का औचित्य क्या था। अन्य दावेदार भी शामिल थे।% उन्होंने कहा, 'मुझे उन पहलवानों के फोन आ रहे हैं जिन्हें लगा था कि वे भारतीय टीम में जगह बनाने के काबिल थे। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें ट्रायल्स के जरिये साबित करने का मौका दिया जाता तो वे टीम में जगह बना सकते थे। इसलिए आपको एक सुचारू रूप से काम करने वाले महासंघ की जरूरत है।'

इस बीच डब्ल्यूएफआई के एक सूत्र ने खुलासा किया कि कार्यकारी समिति के लिए नोटिस 31 दिसंबर को जारी किया गया था। इसमें जारी किये किये एजेंडे का एक बिंदु संविधान के कुछ प्रावधानों को परिभाषित और इनकी व्याख्या करना है। सर्कुलर में स्पष्ट रूप से संविधान का हवाला देते हुए जिक्र किया गया है कि 'अध्यक्ष ही डब्ल्यूएफआई का मुख्य अधिकारी होगा। अगर उसे उचित लगता है तो उसके पास परिषद और कार्यकारी बैठक बुलाने का अधिकार होगा।'

खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई की 21 दिसंबर को आम परिषद की बैठक में महासचिव की अनुपस्थिति पर आपत्ति व्यक्त की थी। डब्ल्यूएफआई ने कहा कि उसने किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं किया है और संविधान के अनुसार अध्यक्ष के पास फैसले लेने का अधिकार है और महासचिव उसके इन फैसलों को लागू करने के लिए बाध्य होगा। एक सूत्र ने कहा, 'हम तदर्थ पैनल के गठन और विभिन्न आयु ग्रुप में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की मेजबानी के बारे में भी चर्चा करेंगे।'

दिलचस्प बात यह है कि तदर्थ पैनल पहले ही घोषणा कर चुका है कि वह तीन फरवरी से जयपुर में सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप और अगले छह हफ्तों के अंदर ग्वालियर में आयु ग्रुप की चैम्पियनशिप का आयोजन करेगा। देखना होगा कि पहलवान डब्ल्यूएफआई या तदर्थ समिति द्वारा आयोजित टूर्नामेंट में से किसमें हिस्सा लेते हैं।

वंदना कटारिया चोटिल होने के कारण ओलंपिक क्वालीफायर से बाहर

रांची - भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी फारवर्ड वंदना कटारिया चोटिल होने के कारण ओलिम्पिक क्वालीफायर से बाहर हो गई हैं जो 13 से 19 जनवरी के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट से पहले भारत के लिए करारा झटका है। वंदना को टीम का उप कप्तान नियुक्त किया गया था लेकिन अभ्यास के दौरान उनके गाल की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। उनकी जगह युवा बलजीत कौर को टीम में लिया गया है।

कामरेज में 15वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का उद्घाटन करते सांसद प्रभुभाई वसावा

सूरत। केंद्रीय युवा एवं खेल मंत्रालय और गृह मंत्रालय की पहल पर 4 से 10 जनवरी तक आयोजित 15वें आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का उद्घाटन सांसद श्री प्रभुभाई वसावा ने किया. इसमें झारखंड राज्य के चतरा, गिरिडीह, लातेहार, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, खरवासा जिले, ओडिशा राज्य के मलकानगिरी, कालाहांडी जिले, आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम और तेलंगाना राज्य के भद्रदी-कोठागुडेम जिले के कुल 220 आदिवासी युवा भाग ले रहे हैं।

सूरत जिले के कामरेज स्थित दादा भगवान त्रिमंदिर में आयोजित समारोह में सांसद श्री प्रभुभाई वसावा ने कहा कि गुजरात के साथ-साथ सूरत शहर और जिला शांति और सुरक्षा का प्रतीक रहा है। चारों राज्यों के आदिवासी युवा राज्य की अभूतपूर्व शांति, खुशहाली और विकास का अनुभव करेंगे और प्रगति की ताकत को समझेंगे।

यह कहते हुए कि यह युवा आदान-प्रदान का एक प्रयास है ताकि सभी को अपने-अपने गांवों और शहरों में जाकर गुजरात के विकास और कल्याण से परिचित कराया जा सके, उन्होंने सभी युवाओं से अपने गृहनगर जाने और गुजरात की पहचान की खुशबू फैलाने का अनुरोध किया।

भारत सर्वाधिक युवा शक्ति वाला देश है। जबकि देश की आबादी के विभिन्न आयु समूहों में युवाओं का अनुपात सबसे अधिक है, सांसद ने कहा कि केवल युवा ही देश की छवि और धारणा को बदलने में सक्षम हैं, उन्होंने कहा कि गुजरात की यात्रा इन लोगों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होगी। उन्होंने कहा कि सूरत में देश के सभी राज्यों के भारतीय नागरिक रहते हैं, जो एक छोटे भारत की तरह है, यही कारण है कि सूरत विविधता में एकता का सबसे अच्छा उदाहरण है। श्री वसावा ने उपस्थित सभी युवाओं से अधिक से अधिक पंजीकरण कराकर मेरा भारत पोर्टल MyBharat.Gov.in (https://mybharat.gov.in) से जुड़ने की अपील की।

नेहरू युवा केंद्र, सूरत के जिला युवा अधिकारी सचिन शर्मा ने गणमान्य व्यक्तियों और आदिवासी युवाओं का स्वागत करते हुए पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। एक सप्ताह के दौरान ये युवक-युवतियां सूरत शहर और जिले के पर्यटन स्थलों का अवलोकन, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का भ्रमण, गुजरात की कला और संस्कृति का आदान-प्रदान, आवासीय ज्ञान, योजना संबंधी जानकारी, अभूतपूर्व प्रगति, संस्कृति, जीवन शैली, भाषा का अवलोकन करेंगे। राज्य की शांति और सुरक्षा के कारण उन्होंने गुजरात का विवरण दिया।

ज्ञात हो कि 220 आदिवासी युवा सरकारी कार्यालयों सहित सूरत के ऐतिहासिक और औद्योगिक स्थलों, डेयरी उद्योग और प्रतिष्ठित स्थानों का दौरा करेंगे। उनमें कौशल, एकता और विकासात्मक गुण विकसित करने के लिए प्रशिक्षण सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

इस अवसर पर प्रान्त पदाधिकारी श्री वी.के. पिपलिया, मामलतदार श्री आरएस ठाकोर, तालुका विकास अधिकारी एसजी पटेल, कामरेज पुलिस निरीक्षक जाडेजा, सुमुल डेयरी निदेशक बलवंतभाई पटेल सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

जनजातीय विकास राज्य मंत्री कुँवरजीभाई हलपति की व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर सेवा की अनूठी पहल

सूरत। 17 सितंबर 2023 को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी के जन्मदिन के अवसर पर, जनजातीय विकास, श्रम और रोजगार, ग्रामीण विकास राज्य मंत्री, श्री कुँवरजी हलपति ने नागरिकों के आवेदन पंजीकृत करने के लिए एक व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 81718-3718 3 लॉन्च किया। और व्हाट्सएप के माध्यम से शिकायत की और एक अनूठी पहल शुरू की। इस हेल्पलाइन के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न वर्गों विशेषकर जनजातीय नागरिकों के आवेदनों, शिकायतों एवं लंबित प्रश्नों का त्वरित एवं सटीक समाधान किया गया है। इस हेल्पलाइन की सुविधा सूरत, तापी, भरूच और डांग जिले के नागरिकों को मिली है।

100 दिनों की छोटी अवधि में व्हाट्सएप हेल्पलाइन के माध्यम से कुल 12,340 आवेदन पंजीकृत किए गए, जिनमें से 7,354 आवेदनों का सौहार्दपूर्ण ढंग से समाधान किया गया है। अनावश्यक 3,938 आवेदनों को डॉकेट किया गया है, और 1,048 आवेदनों के सौहार्दपूर्ण निपटान की प्रक्रिया चल रही है। लोगों की याचिकाओं और शिकायतों का त्वरित समाधान करने वाली व्हाट्सएप हेल्पलाइन सेवा के बारे में बात करते हुए आदिवासी विकास राज्य मंत्री कुँवरजीभाई हलपति ने कहा कि विधायक और राज्य मंत्री के रूप में पद संभालने के दौरान वह हमेशा लोगों के हित के लिए काम करना चाहते थे। व्हाट्सएप हेल्पलाइन शुरू करने का विचार सोशल मीडिया का उपयोग करके दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं को हल करने, उनके प्रश्नों, मांगों और बकाया प्रश्नों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए किया गया था। इसी विचार को क्रियान्वित करते हुए 17 सितम्बर 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी के जन्मदिन पर सूरत, तापी, भरूच और डांग जिलों के लोगों की सेवा के लिए मांडवी से एक व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर शुरू किया गया, जिसमें लगभग 15 विभाग जुड़े हुए हैं। व्हाट्सएप हेल्पलाइन के माध्यम से उपनगर के लोग घर बैठे ही विभाग से संबंधित शिकायतें एवं आवेदन कर रहे हैं तथा बकाया प्रश्नों का निराकरण भी आसानी एवं शीघ्रता से होने लगा है। यह सेवा आम लोगों के प्रश्नों का समाधान करने का एक मंच बन गई है।

धरमपुर के जयंतीभाई पटेल ने अपनी पत्नी की यादों को जीवित रखने के लिए नौकरी के अवसर तलाश रहे युवाओं के लिए एक लाईब्रेरी शुरू किया

सूरत। जयंतीभाई गमनभाई पटेल शुरू से ही समाज सेवा से जुड़े थे। जीईबी से सेवानिवृत्त होकर हर रविवार को धर्मपुर सिविल अस्पताल में ठंडी छाया के नीचे मरीजों को बिस्कुट और फल वितरित करते थे। कोरोना काल में धर्म पत्नी हंसाबेन की मौत के बाद जिंदगी अधूरी लगने लगी. वे कहते हैं कि, मैंने यह निर्णय लिया, स्व. पत्नी को मानस पटल पर जीवित रखना ही धर्म है। अस्पताल में फल-बिस्किट बांटकर वहां से लौटते समय रास्ते में एक वाचनालय आता है। जगह की कमी के कारण छात्र बाहर बैठकर सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे थे। उनकी मदद के लिए मैंने खुद एक लाइब्रेरी शुरू करने का फैसला किया और अपना संकल्प पूरा किया। युवक-युवतियों को करियर बनाने हेतु प्रतिस्पर्धी तैयारी के लिए वर्ष 2021 में **"शीतल चान्याडो"** वाचनालय की शुरुआत हुई। धरमपुर तालुक आदिवासी आबादी वाला तालुक है। ग्रामीण क्षेत्र के गरीब युवाओं ने एक अच्छी सुविधा का निर्माण किया। पुस्तकालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए आवश्यकतानुसार 35 से 37 संवर्ग की सार्वजनिक परीक्षा की विभिन्न पुस्तकें, इंटरनेट सुविधा, कम्प्यूटर सहित उन्नत सुविधाएँ निर्मित की गई हैं। सुदूरवर्ती क्षेत्रों से आने वाले युवाओं के लिए चाय-नाश्ता, आवास, भोजन सहित सुविधाएं निःशुल्क प्रदान कीं। युवक-युवतियों के लिए वरदान बना वाचनालय. रेनबो वॉरियर के शंकरभाई पटेल इस ऑपरेशन में लगातार मार्गदर्शक और मददगार बने।

जैन इंटरनेशनल रेसिडेंशियल स्कूल सूरत में अपने 'पैरेंट एंगेजमेंट प्रोग्राम' के दूसरे संस्करण के साथ वापस

सूरत। अहमदाबाद में एक सफल पेरेंट एंगेजमेंट प्रोग्राम (पीईपी) कार्यक्रम के बाद, और माता-पिता से जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बाद, जैन इंटरनेशनल रेसिडेंशियल स्कूल (जेआईआरएस), बेंगलुरु रविवार 7 जनवरी 2024 को शाम 7:00 बजे सूरत मैरियट होटल, डुंबास रोड, अंबिका निकेतन, अठवा, सूरत में पेरेंट एंगेजमेंट प्रोग्राम (पीईपी) का आयोजन कर रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जेआईआरएस के पूर्व छात्रों और शहर के भावी छात्रों और माता-पिता दोनों के लिए आवासीय विद्यालयों की अवधारणा और इसके द्वारा प्रदान की जाने वाली समग्र शिक्षा और छात्र विकास को समझने के लिए एक-दूसरे के साथ जुड़ने के लिए एक साझा मंच तैयार करना है।

जेआईआरएस सूरत के माता-पिता और उनके बच्चों के लिए जेआईआरएस ब्रांड और वैश्विक नेता बनाने में इसकी 24+ वर्षोंकी विरासत का अनुभव करने के लिए अपने दरवाजे खोलने के लिए पूरी तरह तैयार है। सूरत के लगभग 20 छात्र वर्तमान में जेआईआरएस, बेंगलुरु में अपनी पढ़ाई कर रहे हैं और जेआईआरएस का दावा है अब तक 250 से अधिक पूर्व छात्र सूरतसे हैं।

श्री रुद्र शर्मा, सीओओ , जेआईआरएस नेकहा, 卐अहमदाबादमें माता-पितासे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिलने के बाद, हम सूरतमें अगली पेरेंट एंगेजमेंट प्रोग्राम श्रृंखला की घोषणा कर ते हुए रोमांचित हैं। यह कार्यक्रम माता-पिताको हमारे स्कूल द्वारा प्रदानकी जानेवाली सेवाओं के बारे में जानने के लिए सशक्त बनाती है, जिससे उन्हें हमारे सम्मानित पूर्व छात्रोंके साथ बातचीत करने का अवसर मिलता है। हमारा लक्ष्य चल रहे परिवर्तनों के बीच अपने छात्र समुदायकी बढ़ती वृद्धिको बढ़ावा देना, वैश्विक प्रभाव डालने के लिए उनके आंतरिक विकास का पोषण करना है।

जेआईआरएस, ने हाल ही में टाइम्स स्कूल सर्वे 2023-2024 में %नंबर 1% स्थान हासिल किया। बेंगलुरु में शीर्ष आवासीय विद्यालय के रूप में रैंकिंग इस बात का प्रमाण है कि जेआईआरएस एक पूर्ण आवासीय विद्यालय है जो छात्रों को वैश्विक मानकों के बराबर सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करता है। जेआईआरएस, ने एजुकेशनटुडे.को इंडिया स्कूल मेरिट अवार्ड्स-2023-24 द्वारा बोर्डिंग स्कूल की श्रेणी में भी भारत में ब1 रैंक हासिल की है।इसे छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देने में ब1 स्कूल, इनोवेटिव शिक्षा में ब1, खेल शिक्षा में ब1 और अनुभवात्मक शिक्षा में ब1 के लिए जूरी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

जेआईआरएस को भारत और कई अन्य देशों के छात्रों के साथ वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय मानक स्कूल के रूप में मान्यता प्राप्त है।350 एकड़ के विश्व स्तरीय विशाल हरे-भरे प्रदूषण मुक्त परिसर में घरेलू गुरुकुल वातावरण में, बच्चों को भारतीय संस्कृति और मूल्यों की मजबूत जड़ों के साथ, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुभव के साथ, समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए बड़ा किया जाता है। 350 एकड़ के जेआईआरएस परिसर में प्रमुख और महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक खेल के लिए उनकी विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाएं हैं। सभी प्रमुख इनडोर और आउटडोर खेलों के लिए 30 से अधिक खेल क्षेत्रों के समामेलन के साथ, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लिए छात्रों को प्रशिक्षित करने वाले योग्य पेशेवर प्रशिक्षकों के साथ, स्कूल खेलों को एक प्रमुख उपस्थिति देता है।

जेआईआरएस अनुभवी फिटनेस विशेषज्ञों के साथ एक बेहतरीन प्रशिक्षण माहौल और कई स्कूल और राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंटों में भागीदारी सुनिश्चित करता है जो छात्रों को आगे बढ़ने और उज्ज्वल भविष्य विकसित करने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान करता है। संपूर्ण बोर्डिंग स्कूल अवधारणा बच्चों को स्वतंत्र, साहसी, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाती है, मजबूत पारस्परिक संबंध कौशल विकसित करती है और उन्हें विभिन्न स्थानों और विचारों से बच्चों की विविधता की सराहना करवाता है।

सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) ने अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए आवेदन शुरू किए

सूरत। सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) एसआईयू ने अपनी प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन की तारीखों की घोषणा कर दी है, ये परीक्षाएं युनिवर्सिटी के संस्थानों में विभिन्न अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए ली जाती हैं। इन परीक्षाओं में शामिल हैं एसईटी-जनरल (सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट), एसईटी- लॉ जिसे सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट (एसएलएटी) कहते हैं और सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम (एसआईटीईईई)। इन परीक्षाओं का संचालन देश भर के 76 शहरों में कम्प्यूटर बेस्ट टेस्ट (सीबीटी) मोड में किया जाता है। वे उम्मीदवार जो इन परीक्षाओं में भाग लेना चाहते हैं वे हर टेस्ट के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ नीचे दिए गए ऑफिशियल रजिस्ट्रेशन लिंक को एक्सेस कर सकते हैं।

एसईटी- जनरल (सिम्बायोसिस एंट्रेंस टेस्ट) : सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) ने 13 दिसम्बर 2023 को एसईटी 2024 के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू की। इसके लिए आवेदन तकरीबन चार महीने तक जारी रहेंगे, और महत्वाकांक्षी उम्मीदवार 12 अप्रैल 2024 तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। एसईटी का आयोजन रविवार 5 मई 2024 और शनिवार 11 मई 2024 को होगा। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाईट 222.ह्यद्दह्ल-ह्लद्गह्यह्ल.श्रह्म्द्द/के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट (एसएलएटी): सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट 2024 या एसएलएटी 2024 का संचालन 5 मई 2024, रविवार और 11 मई 2024 शनिवार को सीबीटी मोड में एसएलएटी 2024 टेस्ट सेंटरों में किया जाएगा। पुणे, नोएडा, हैदराबाद और नागपुर में सिम्बायोसिस के सभी लॉ स्कूलों के लिए सिम्बायोसिस टेस्ट सेक्रेटेरियट ने 13 दिसम्बर 2023 को एसएलएटी आवेदन प्रक्रिया 2024 शुरू कर दी है। वे उम्मीदवार जो नीचे दिए गए प्रोग्रामों में शामिल होना चाहते हैं वे ऑफिशियल वेबसाईट https://www.set-test.org/ के माध्यम से रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

एसईटी- इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्ज़ाम (एसआईटीईईई)= एसआईटीईईई 2024 की आवेदन प्रक्रिया कई बीटेक प्रोग्रामों के लिए ऑनलाईन की जाएगी। इसके लिए टेस्ट की दिनांक 5 मई 2024 (टेस्ट 1) और 11 मई 2024 (टेस्ट 2) है। वे उम्मीदवार जो एसआईटीईईई 2024 में हिस्सा लेना चाहते हैं वे अंतिम दिनांक 12 अप्रैल 2024 से पहले ऑफिशियल वेबसाईट https://www.set-test.org/ पर विज़िट करें।

सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) की कई राज्यों और शहरों जैसे पुणे, नोएडा हैदराबाद, नागपुर और बैंगलुरू में मौजूदगी है। यह अपने सभी परिसरों में 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से इंटरनेशनल सूझबूझ को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के साथ कार्यरत है। ये सभी शैक्षणिक हब लाईव कम्युनिटीज़ की तरह काम करते हुए इंटरनेशनल छात्रों को भी आकर्षित करते हैं और उन्हें भारतीय संस्कृति एवं आतिथ्य का अनुभव पाने का अवसर प्रदान करते हैं।

रामजी को पाने के लिए निर्मल मन और प्रेम के वसीभूत होना ज़रूरी - सुश्री संगीता दीदी

सुरत भुमि, सूरत।

एकल श्री हरि द्वारा तीन दिवसीय श्री राम कथा का समापन बुधवार हो हुआ । वीआईपी रोज़ स्थित श्री श्याम मंदिर के लखदातार हॉल में आयोजित कथा के अंतिम दिन व्यासपीठ से वनवासी कथाकार सुश्री संगीता दीदी ने कहा कि रामजी प्रेम के वसीभूत तो मिलते ही हैं लेकिन उनको पाने के लिए निर्मल मन होना चाहिए । राम जी वनों में जाकर यदि वनवासियों को गले नहीं लगाते तो रामराज की स्थापना नहीं हो पाती और वह भगवान भी नहीं बन पाते ।अपने पिता राजा दशरथ के तरह ही राजा राम ही कहलाते ।

जब तक नगर वासी ग्रामवासियों के साथ प्रेम का सेतु निर्माण नही करेंगे तब तक भारत हिंदू राष्ट्र नही होगा । हिंदू राष्ट्र का एक मात्र साधन वनवासियों को गले लगाना है । यह जीवन भी एक यज्ञ है इस यज्ञ को विकार रूपी दानव हस्तक्षेप करते है। मत्सर रूपी दानवों का अंत तभी होगा जब सत्य रूपी राम और समर्पण रूपी लक्ष्मण अपने जीवन में लाएंगे । इस दौरान दीदी ने यज्ञ रक्षा, धनुष यज्ञ, राम विवाह, वन गमन, राज्याभिषेक का प्रसंग सुनाया एवं भजनों की प्रस्तुति से सभी को भाव-विभोर किया ।

इस मौक़े पर एकल श्री हरि के महेश मित्तल, रतन दारूका, रमेश अग्रवाल, विश्वनाथ सिंघानिया, पवन झुनझुनवाला, महिला समिति से मंजू मित्तल, कुसुम सर्राफ, कांता सोनी, सुषमा दारूका, सुषमा सिंघानिया, सुमन जालान, अंजू अग्रवाल, प्रेरणा भाऊवाला सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें ।

"राम मंदिर, राष्ट्र मंदिर - एक साझी विरासत: कुछ अनसुनी बातें", पुस्तक विमोचन - गीता सिंह और आरिफ खान भारती

दिल्ली । दिल्ली आकाशवाणी का रंग भवन ऑडिटोरियम एक ऐतिहासिक घटना का गवाह रहा। मौका था 卐राम मंदिर, राष्ट्र मंदिर - एक साझी विरासत: कुछ अनसुनी बातें卐 पुस्तक के विमोचन का जिसे गीता सिंह और आरिफ खान भारती ने मिलकर लिखा है। प्रस्तावना आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने लिखी है। पुस्तक के विमोचन के अवसर पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, आरएसएस राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार, विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (न्यास), अयोध्या के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, लद्दाक की पावन भूमि से बौद्ध धर्म से पोचे समेत अनेकों बुद्धिजीवी मौजूद रहे। इस मौके पर देश भर से आए मुस्लिम समुदाय ने शिरकत की। पुस्तक का अंग्रेजी संस्करण डॉ शैलेश लाचू हीरानंदानी द्वारा किया जायेगा, इसके आलावा पुस्तक को अलग अलग भाषाओं मैं भी प्रकाशित किया जायेगा।

इस अवसर पर इंद्रेश कुमार ने कहा कि जो बेजुबान की भी जुबान जानता है वही खुदा है, वही परमेश्वर है, वही गॉड है, वही राम है। उन्होंने कहा कि यहां देश भर से आई जनता ने साबित कर दिया है कि हम एक थे, एक हैं और एक ही रहेंगे। इंद्रेश कुमार ने कहा कि जहां विवाद है वो सभी आगे आने वाले दिनों में संवाद से हल किए जा सकते हैं। इसके लिए सभी धर्मों को आगे आकर विचार करना होगा।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने किताब के विमोचन के बाद कहा कि इंसान एक महत्वकाशी प्राणी है जो अपनी ख्वाहिशों को पूरा करने के लिए अनैतिक हो जाता है। क्योंकि अगर ख्वाहिशों को आदर्श करने वाला कोई न हो अर्थात मर्यादित करने वाला कोई न हो तो महत्वकांक्षाएं बेलगाम हो जाती हैं। और इसीलिए मर्यादा पुरुषोत्तम राम की जरूरत हर तरफ है। पंचम धाम ट्रस्ट जिसे, डॉ हीरानंदानी द्वारा 20 वर्षों के अथक शोध के फलस्वरूप प्रारम्भ किया गया, सनातन धर्म के मार्ग को जिवंत रखने में सक्षम हो पाया है, की इस पुस्तक को जीवंत करने मैं मुख्य भूमिका रही।

किताबवाले प्रकाशन समूह द्वारा प्रकाशित, यह पुस्तक मुस्लिम समुदाय और व्यापक सामाजिक ताने-बाने के बीच की खाई को पाटने के लिए आरएसएस और उसके सहयोगी संगठनों द्वारा किए गए 30 वर्षों के समर्पित प्रयासों का एक व्यापक अन्वेषण है। यह पुस्तक कई तरह की ज्ञानवर्धक जानकारियां देगी, गलतफहमियों को दूर करेगी और सहयोग और इसके आलावा साझा मूल्यों की अनकही कहानियों को उजागर करेगी। लेखिका प्रो. गीता सिंह ने बताया कि पुस्तक में बहुत सी अनसुनी कहानियां हैं। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक लोगों का ज्ञानवर्धन करने के साथ उनकी समझ बढ़ाने में सार्थक सिद्ध होगी। दूसरे लेखक आरिफ खान भारती ने पुस्तक के बारे में अपने विचार रखे। जिसमें देश की मूलभावना वसुधैव कुटुंबकम पर जोर दिया जिसके पुरोधा थे मर्यादा पुरषोत्तम राम।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)